RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः90 , गुरुवार, 14 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

'सोशियोस्केप्स': नई शिक्षा नीति को जीवंत अनुभव में बदलता महात्मा गांधी केंद्रीय ... 03

14 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न, खुशियों से गूंजा मच्छरगांवा 04

फिल्म चांद मेरा दिल का ट्रेलर जारी, प्यार और तड़प के बीच... 07

संक्षिप्त समाचार

सनातन को मिटाना है तो खुद अपनी मां को रोककर दिखाएं

- उदयनिधि स्टालिन को पूर्व आईपीएस और बीजेपी नेता का चैलेंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म मिटाने वाले बयान पर उन्हें पूर्व आईपीएस कुप्पुसामी अन्नामलाई ने करारा जवाब दिया है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष से कहा है कि स्टालिन को अगर सनातन धर्म मिटाने का इतना शौक है, तो पहले अपनी मां को ही मंदिर जाने से रोककर दिखाएं। डीएमके नेता और तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सनातन धर्म भेदभाव करता है, इसलिए इसका समूल नाश किया जाना चाहिए।

इसके बाद विपक्षी बीजेपी उनपर जोरदार हमले कर रही है। बीजेपी के पूर्व तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई हालिया विधानसभा चुनावों के बाद फिर से खूब चर्चा में हैं। बीजेपी समर्थकों का मानना है कि अगर पार्टी उनके नेतृत्व में अकेले चुनाव लड़ती तो शायद पार्टी को अच्छी सफलता मिल सकती थी। उन्होंने उदयनिधि स्टालिन के बयान को लेकर इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में यह प्रतिक्रिया दी है। **उदयनिधि स्टालिन को भगवत गीता गिफ्ट करेंगे** अन्नामलाई ने यह भी कहा कि मैं उन्हें (उदयनिधि स्टालिन को) एक भगवतगीता गिफ्ट करने जा रहा हूं....मैं ज्यादा लिटरेचर नहीं भेजूंगा..सिर्फ भगवतगीता भेज रहा हूं। मैं चाहता हूं कि वे पढ़ें। उस तरह से नहीं, जैसा कि उन्होंने अपनी परीक्षाओं के लिए पढ़ाई की है।

एन. रंगासामी ने 5वीं बार संभाली पुडुचेरी की कमान

- एनडीए सरकार ने यहां फिर दोहराया सत्ता का इतिहास

पुडुचेरी (एजेंसी)। पुडुचेरी के दिग्गद नेता एन रंगासामी ने बुधवार को लगातार पांचवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के संस्थापक रंगासामी ने एक बार फिर एनडीए सरकार का नेतृत्व संभाल लिया है। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। रंगासामी ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। उनके

साथ मल्लादी कृष्णा राव और भाजपा नेताअरुमुगम नमस्सिवयम ने भी मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। खास बात यह रही कि मल्लाडी कृष्णा राव ने तेलुगु भाषा में शपथ ली। वह पुडुचेरी के यानम क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भौगोलिक रूप से आंध्र प्रदेश के भीतर स्थित है। समारोह में भाजपा के वरिष्ठ संगठनात्मक नेताओं की मौजूदगी ने इस सरकार के राजनीतिक महत्व को और बढ़ा दिया। भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी नितिन नवीन और पार्टी के वरिष्ठ रणनीतिकार बीएल संतोष भी शपथ ग्रहण के दौरान मंच पर मौजूद रहे। केंद्र शासित प्रदेश में हाल ही में हुए चुनावों में एनडीए गठबंधन ने बहुमत हासिल कर लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी की। चुनाव परिणामों के बाद रंगासामी को सरकार गठन के लिए आमंत्रित किया था।

किसानों को तोहफा

एमएसपी पर मोदी सरकार ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को किसानों को बड़ा तोहफा दिया। खरीफ फसल पर मिलने वाले मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) को सरकार ने बढ़ा दिया है। इसके लिए किसानों को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 2,60,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में इसका फैसला लिया गया। इस मीटिंग में कुल 4 बड़े फैसले लिए गए। इसके बारे में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी। दूसरा बड़ा निर्णय कोल गैसिफिकेशन स्कीम से जुड़ा है। सरकार ने इस स्कीम के लिए 37,500 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस स्कीम का उद्देश्य साल 2030 तक कोयले से 100 मिलियन टन

गैस का उत्पादन करना है। वहीं तीसरा निर्णय गुजरात के सरखेज और ढोलेरा के बीच हाई स्पीड ट्रेन डबल लाइन से जुड़ा रहा। इसके लिए सरकार ने 20,667 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

260000 करोड़ मिलेंगे

- **किसानों को मिलेगी राहत-** खरीफ सीजन की फसल पर एमएसपी बढ़ाने से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। मौसम की मार और वैश्विक तनाव के कारण किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। ऐसे में सरकार का यह कदम किसानों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। कैबिनेट में कुल 14 खरीफ फसलों पर एमएसपी को बढ़ाया है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी सूरजमुखी के बीजों पर की गई है। इस पर एमएसपी बढ़ाकर 622 रुपये प्रति क्विंटल कर दी गई है।

अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक का निधन

- पोस्टमॉर्टम के बाद शव घर लाया गया, अपर्णा भी पहुंचीं; विसरा सैंपल सुरक्षित

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। उनकी उम्र 38 साल थी। सुबह 6 बजे पत्नी अपर्णा यादव के भाई अमन सिंह बिष्ट उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिविल अस्पताल के चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. डीसी पांडेय के मुताबिक, जब प्रतीक को लाया गया, तब उनकी पल्स पूरी तरह डाउन थी। हार्ट भी रुक चुका था। लखनऊ

मेडिकल कॉलेज में प्रतीक यादव के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। सूत्रों के मुताबिक, शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। हालांकि, मौत की वजह स्पष्ट न होने के कारण विसरा सैंपल सुरक्षित रख लिया गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद प्रतीक का शव घर ले आया गया है। यहां अंतिम संस्कार की तैयारियां की जा रही हैं। इस बीच, प्रतीक की पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा यादव भी असम से लखनऊ लौट आई हैं। वो एयरपोर्ट से सीधे अपने घर पहुंचीं।

'सुप्रीम' सलाह, हिंदू धर्म जीवन जीने का तरीका है

- कोर्ट ने कहा-हिंदू बने रहने के लिए मंदिर जाना जरूरी नहीं
- बोला-घर में दीया जलाना भी आस्था दिखाने के लिए पर्याप्त है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि हिंदू धर्म जीवन जीने का तरीका है। हिंदू बने रहने के लिए मंदिर जाना या खास पूजा-पाठ जरूरी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि घर में दीया जलाना भी आस्था दिखाने के लिए पर्याप्त है। यह टिप्पणी चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की संविधान पीठ ने की।

बेंच धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव, सबरीमाला मंदिर और दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े धार्मिक स्वतंत्रता मामलों पर सुनवाई कर रही है। बुधवार को सुनवाई का यह 15वां दिन है। बेंच में जस्टिस बी वी नागरत्ना, एम एम सुंद्रेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं।

व्यक्ति अपनी आस्था को लेकर स्वतंत्र- सुनवाई के दौरान इंटरविनर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील डॉ. जी मोहन गोपाल ने कहा कि धार्मिक समुदायों के भीतर से ही सामाजिक न्याय की मांग उठ रही है। उन्होंने 1966 के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि तब हिंदू उसे माना गया

था, जो वेदों को सर्वोच्च मानता है। उन्होंने कहा, हममें से किसी ने भी यह नहीं कहा कि हर हिंदू वेदों को सर्वोच्च मानता है। मैं वेदों का सम्मान करता हूं, लेकिन क्या आज हर हिंदू ऐसा मानता है। इस पर जस्टिस बी वी नागरत्ना ने कहा, इसी वजह से हिंदू धर्म को जीवन जीने का तरीका कहा जाता है। हिंदू बने रहने के लिए मंदिर जाना या कोई अनुष्ठान करना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपनी आस्था को लेकर स्वतंत्र है और किसी को इसमें बाधा नहीं डालनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले टिप्पणी की थी कि अगर लोग संवैधानिक कोर्ट के सामने हर धार्मिक प्रथा या धर्म से संबंधित मामलों पर सवाल उठाना शुरू कर दें, तो सैकड़ों याचिकाएं दायर हो जाएंगी और धर्म के टूटने का ही खतरा बन जाएगा। बता दें कि सितंबर 2018 में 5 जजों की संवैधानिक पीठ ने बहुमत से फैसला सुनाते हुए सबरीमाला अयप्पा मंदिर में 10 से 50 वर्ष की आयु वाली महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया था। कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि सदियों पुरानी यह हिंदू धार्मिक प्रथा अवैध और असंवैधानिक है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर कर फैसले पर पुनर्विचार की मांग की गई है। सुनवाई फिलहाल जारी है।

मोदी, शाह और नड्डा के काफिले में आधी हुई गाड़ियां

- पीएम मोदी की अपील के बाद दिल्ली से राज्यों तक दिखने लगा असर
- दिल्ली में मंत्री ई-रिक्शा से चले यूपी में 2 दिन वर्कफ्रॉम होम का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या आधी कर दी है।

उन्होंने यह फैसला पीएम मोदी की उस अपील के बाद लिया है, जिसमें उन्होंने बढ़ती ईंधन कीमतों को देखते हुए पेट्रोल-डीजल बचत की अपील की थी। इससे पहले पीएम मोदी ने भी हाल ही में गुजरात और असम दौरे पर अपने काफिले को छोटा रखा था और केवल उन्हीं गाड़ियों को शामिल किया, जो सुरक्षा के लिहाज से बेहद जरूरी थीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहां भी संभव हो, काफिले में इलेक्ट्रिक गाड़ियां शामिल की जाएं। वहीं, दिल्ली में मंत्री आशीष सूद कार्यक्रम में जाने के लिए पहले मेट्रो और फिर ई-रिक्शा में बैठे। मध्य प्रदेश में जस्टिस डीडी बंसल साइकिल चलाकर हाई कोर्ट पहुंचे। वहीं, सीएम मोहन यादव ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या घटा दी है। उधर, उत्तर प्रदेश में सांसद-विधायकों को एक दिन बस-मेट्रो से चलने का आदेश दिया गया है। राज्य में जितने भी बड़े कॉर्पोरेट ऑफिस हैं, वहां हफ्ते में 2 दिन वर्क फ्रॉम होम होगा।

अमूल दूध 2 लीटर महंगा हुआ

आधे घंटे बाद मदर डेयरी ने भी 2 लीटर रेट बढ़ाए, नए दाम आज से लागू होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमूल के बाद मदर डेयरी ने भी बुधवार को दूध की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी की है। दोनों कंपनी के नए दाम गुरुवार (14 मई) से लागू होंगे। अमूल और मदर डेयरी ने दूध के प्रमुख वेरिएंट और पैक पर कीमतें बढ़ाई हैं। गुजरात कॉपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के मुताबिक, पशु आहार, पैकेजिंग और ईंधन की लागत बढ़ने के कारण यह फैसला लिया गया। अमूल का कहना है कि

Amul

यह बढ़ोतरी 2.5 प्रतिशत से 3.5 प्रतिशत के बीच है। मई 2025 के बाद पहली बार दूध के दाम बढ़ाए गए हैं।

मई 2025 में 2 रुपए प्रति लीटर बढ़े थे दाम–इससे पहले 1 मई 2025 को गुजरात और अन्य राज्यों में सभी प्रकार के अमूल दूध की कीमत में 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। वहीं इससे पहले 4 जून 2024 को भी सभी वेरिएंट के दाम बढ़ाए गए थे।

विजय विधानसभा में भी साबित हुए सुपरस्टार

- 144 वोट के साथ पाया बहुमत, इंटरवल में भागी डीएमके

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में हाल ही में हुए चुनावों में मिली जीत के बाद विजय फ्लोर टेस्ट में भी पास हो गए हैं। मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को तमिलनाडु विधानसभा में विश्वास मत के लिए प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें टीवीके की गठबंधन वाली सरकार को 144 विधायकों का समर्थन मिल गया है। गौरतलब है कि 234 सदस्यीय विधानसभा में विजय की सरकार को फ्लोर टेस्ट में पास होने के लिए 118 के आंकड़े की जरूरत थी। फ्लोर टेस्ट के दौरान सदन में हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला जहां डीएमके ने वोटिंग से इनकार करते हुए विधानसभा से वॉकआउट कर दिया। फ्लोर टेस्ट में

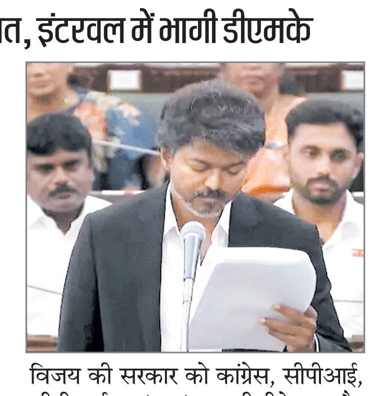

विजय की सरकार को कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई (एम), वीसीके और आईएमएलयू ने सरकार को समर्थन दिया है। वहीं बीजेपी और अनबुमणि रामदोस के नेतृत्व वाली पीएमके ने वोटिंग से दूरी बनाई।

खुलकर सामने आ गई एआईएडीएमके की दरार

फ्लोर टेस्ट के दौरान एआईएडीएमके की दरार भी खुलकर सामने आ गई। वेलुमणि के नेतृत्व वाले एआईएडीएमके के गुट ने विजय की पार्टी टीवीके को समर्थन दिया। इस दौरान वेलुमणि ने कहा है कि वे किसी मंत्री पद या लालच के लिए नहीं, बल्कि सरकार की स्थिरता के लिए समर्थन दे रहे हैं। वहीं इस बगावत से नाराज एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने मुख्यमंत्री विजय पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, खबरें हैं कि सरकार ने हमारे कुछ नेताओं को मंत्री पद का लालच दिया है।

- शुभेंदु ने छोड़ा नंदीग्राम

भवानीपुर को अपनाया

- भवानीपुर विधायक के रूप में ली विधानसभा में शपथ

नंदीग्राम के विकास और जनता से किए वादे करेंगे पूरा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने घोषणा की कि

वह भवानीपुर विधानसभा सीट अपने पास रख रहे हैं और नंदीग्राम सीट छोड़ देंगे। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में उन्होंने भवानीपुर और नंदीग्राम दोनों सीटों से जीत हासिल की थी। बुधवार को उन्होंने भवानीपुर से विधायक के रूप में राज्य विधानसभा में शपथ ली। शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से कहा कि नंदीग्राम से कोई और विधायक उपचुनाव में चुना जाएगा।

लेकिन मैं वहां के लोगों को अपनी कमी महसूस नहीं होने दूंगा। उन्होंने कहा कि मैं राज्य के बाकी हिस्सों के साथ ही नंदीग्राम के लोगों से किए गए सभी विकास संबंधी वादों को पूरा करूंगा। अधिकारी ने 2009 से 2016 तक नंदीग्राम से तृणमूल कांग्रेस विधायक रहीं फिरोजा बीबी के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय वह ममता बनर्जी की पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल थे।

हावड़ा में टीएमसी नेता के मकान के अंदर मिला गुप्त ठिकाना

- पुलिस अधिकारी रह गए हैरान चुनाव बाद हिंसा का है आरोपी

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता से सटे हावड़ा शहर के शिवपुर इलाके में चुनाव बाद हिंसा के आरोपित स्थानीय टीएमसी नेता शमीम अहमद उर्फ बोर के घर मंगलवार को पुलिस की छापेमारी में चौंकाने वाला राजफाश हुआ। घर की तलाशी के दौरान पुलिस अधिकारी उस वक्त हैरान रह गए जब टीएमसी नेता के चार

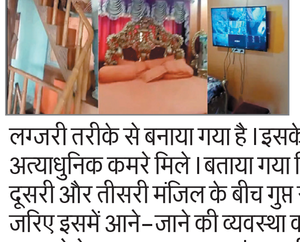

मंजिला मकान के अंदर बना एक बड़ा सा आलीशान गुप्त ठिकाना मिला, वह काफी लग्जरी तरीके से बनाया गया है। इसके भीतर कई अत्याधुनिक कमरे मिले। बताया गया कि मकान की दूसरी और तीसरी मंजिल के बीच गुप्त सीढ़ियों के जरिए इसमें आने-जाने की व्यवस्था की गई थी, जिसे बाहर से देखकर समझ पाना संभव नहीं था। पड़ोसियों को इसकी भनक नहीं थी। इसका राजफाश उस वक्त हुआ जब हाल में चुनाव बाद शिवपुर में हिंसा हुई।

भारत के पास है 60 दिन का कच्चा तेल: पुरी

- *कहा-अगले 45 दिन का एलपीजी स्टॉक भी है जमा*
- *बोले-पीएम की बातों का मनगढ़ंत मतलब न निकालें*

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल, 60 दिन की एलएनजी और 45 दिन की एलपीजी का स्टॉक है। सप्लाई के मामले में कोई दिक्कत नहीं है। हरदीप पुरी ने दिल्ली में आयोजित सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में पीएम की बचत की अपील का भी जिक्र किया। पुरी ने कहा कि पीएम ने दो दिन पहले जो बातें कही हैं। उसको लेकर अफरा-तफरी मचाना बेकार है। पीएम की बातों को ध्यान से सुनें। उसका मनगढ़ंत मतलब न निकालें। दरअसल पीएम मोदी लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का उपयोग कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें। विदेशी यात्राओं से बचें।

हरदीप पुरी ने समिट में कहा कि सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा सप्लाई में आई रुकावटों को बोझ आम जनता पर पड़ने नहीं दिया है। तेल कंपनियों को हर दिन 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है, तो घाटा 1,98,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने वाला है।

एलपीजी उत्पादन 36,000 से बढ़ाकर 54,000 मीट्रिक टन किया

हरदीप पुरी ने कहा– दुनिया की कुल ऊर्जा का 20 फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर आता था। हमारे कच्चे तेल के आयात का 85 प्रतिशत हिस्सा वहीं से आता था। लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी बात

यह है कि हमारी एलपीजी यानी वह सिलेंडर वाली गैस जिसे आप अपनी रसोई में इस्तेमाल करते हैं। उसका लगभग 60 फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से आता था। अब जब वह रास्ता बंद हुआ तो हमें इसके लिए इंतजाम करने थे। इस संकट से पहले, हमारा घरेलू एलपीजी उत्पादन रोजाना 35,000 या 36,000 मीट्रिक टन था। हमने अपने घरेलू उत्पादन को 36,000 से बढ़ाकर 54,000 मीट्रिक टन तक पहुंचा दिया। यह अपने आप में एक हैरान कर देने वाली उपलब्धि है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के 3 मंत्री एक ही गाड़ी में वैशाली पहुंचे, बोले- आगे बड़ी चुनौती, पहले से तैयारी करनी होगी

हाजीपुर। बिहार में तीन मंत्रियों ने एक ही गाड़ी में वैशाली के एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। हालांकि उनके पीछे कार्यकर्ताओं और सिक्योरिटी मिलाकर 8 गाड़ियों का काफिला नजर आया। मंत्रियों ने कहा कि उन्होंने यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचाओ अपील के बाद उठाया है। उनके एक साथ जाने से दो मंत्रियों पर आने वाली गाड़ियों का खर्च बचेगा। वैशाली के महुआ में आयोजित एक कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (PHED) के मंत्री संजय सिंह, गन्ना उद्योग विभाग के मंत्री संजय पासवान और अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग के मंत्री लखेंद्र पासवान शामिल हुए। तीनों मंत्रियों ने अपने अलग-अलग काफिले के बजाय एक ही सरकारी गाड़ी में यात्रा की। मंत्रियों ने अपने विभागीय प्रोटोकॉल से ऊपर उठकर कार पूलिंग के माध्यम से जनता के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया। इसका लक्ष्य सरकारी खर्च में कटौती करना और आम जनता को भी ईंधन बचाने के लिए प्रेरित करना है। इस संबंध में बिहार के मंत्री संजय सिंह ने कहा, "प्रधानमंत्री ने देशहित में ईंधन के संयमपूर्ण उपयोग की जो अपील की है, उसे लागू करना हम सभी का कर्तव्य है। आज हम तीनों मंत्रियों ने एक ही गाड़ी से महुआ जाने का निर्णय लिया है ताकि देश के विदेशी मुद्रा भंडार और ऊर्जा संसाधनों की बचत में हम अपना छोटा सा योगदान दे सकें।" उन्होंने आगे कहा कि बिहार सरकार प्रधानमंत्री के ईंधन संरक्षण मिशन के साथ मजबूती से खड़ी है। मंत्रियों की इस पहल को सराहा जा रहा है, और उम्मीद है कि यह संदेश आम नागरिकों को भी ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक करेगा।

वैशाली में ओवरलोड ट्रैक्टर ने व्यक्ति को रौंदा, मौतःएक्सीडेंट के बाद नाराज लोगों ने रोड जाम किया

हाजीपुर। वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र में एक ओवरलोड गिट्टी लदे ट्रैक्टर ने एक व्यक्ति को कुचल दिया। इस हादसे में व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने हाजीपुर-लालगंज मुख्य मार्ग को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। यह घटना लालगंज थाना क्षेत्र के पोझिया चौक पर हुई। जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार में जा रहे गिट्टी लदे ओवरलोड ट्रैक्टर ने सड़क किनारे खड़े एक व्यक्ति को कुचल दिया। मृतक की पहचान अकबरपुर गांव निवासी अशोक राय के रूप में हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने हाजीपुर-लालगंज मुख्य मार्ग को पूरी तरह से जाम कर दिया।

सड़क जाम होने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात बाधित हो गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इस मार्ग पर ओवरलोड वाहनों का संचालन लगातार जारी रहता है, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती। लोगों ने यह भी कहा कि यदि समय रहते इन वाहनों पर रोक लगाई जाती, तो इस दुर्घटना को टाला जा सकता था। घटना की सूचना मिलते ही लालगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत कराने का प्रयास किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और पुलिस हालात को सामान्य करने की कोशिश कर रही है।

बच्चे की गंगा में डूबने से मौत, भाई की शादी से पहले गई जान, दोस्तों के साथ नहाने गया था

हाजीपुर। वैशाली जिले में एक दुखद घटना सामने आई है। पहलेजा थाना क्षेत्र के नौ डिहा सैदपुर में गंगा स्नान के दौरान 17 वर्षीय किशोर विनय कुमार की डूबने से मौत हो गई। वह अपने ममेरे भाई की शादी में शामिल होने नानी घर आया था। जानकारी के अनुसार, विनय अपने दोस्तों के साथ गंगा में स्नान करने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। वहां मौजूद लोगों ने उसे तुरंत बाहर निकाला और सोनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने जांच के बाद विनय को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के कोयला मोहन गांव निवासी रामानंद राय के पुत्र विनय कुमार के रूप में हुई है। विनय 8 मई को अपनी नानी के घर आया था ताकि वह शादी समारोह में शामिल हो सके। इस घटना से परिवार में खुशी का माहौल मातम में बदल गया है। सोनपुर थाने की पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया गया है कि विनय अपने माता-पिता और भाई-बहन में सबसे छोटा था। उसके पिता मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। विनय अपनी मां और भाई के साथ नानी घर आया था और मेहंदी की रस्म से पहले गंगा स्नान के लिए घाट पर पहुंचा था।

रेलवे 15 मई से लीची पार्सल बुकिंग शुरू करेगा, देश के अलग-अलग राज्यों में ट्रेन से भेजा जाएगा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर की मशहूर शाही लीची अब रेलवे से देश के बड़े शहरों तक पहुंचेगी। रेलवे ने 15 मई से लीची पार्सल बुकिंग शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली है। इस बार किसानों और कारोबारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि लीची तेजी से और ताजा हालत में मुंबई समेत अन्य शहरों तक पहुंच सके। रेलवे अधिकारियों के अनुसार जंक्शन परिसर में धर्मशाला चौक के पास इंजीनियरिंग विभाग की नई बिल्डिंग के सामने बुकिंग कार्यालय बनाया गया है। यहीं पर किसान और व्यापारी अपनी लीची का वजन कराकर बुकिंग करा सकेंगे। इसके बाद सामने स्थित सैलून साइडिंग में खड़ी वीपी यानी वैन पार्सल में लीची की लोडिंग की जाएगी। रेलवे की योजना के मुताबिक पवन एक्सप्रेस के मुजफ्फरपुर जंक्शन पहुंचने पर पार्सल वैन को ट्रेन से जोड़ा जाएगा, जिसके जरिए लीची की खेप मुंबई भेजी जाएगी। हर साल बड़ी मात्रा में मुजफ्फरपुर की शाही लीची महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में जाती है और इस बार भी रिकॉर्ड खेप भेजे जाने की संभावना जताई जा रही है। रेलवे ने इस बार भुगतान व्यवस्था को भी आसान बनाया है। पार्सल इंचार्ज भरत कुमार ने बताया कि कारोबारियों को भुगतान में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। नगद के साथ-साथ डिजिटल पेमेंट की भी सुविधा दी गई है। कारोबारी क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे रेलवे के खाते में भुगतान कर सकेंगे। रेलवे की इस पहल से लीची कारोबारियों और किसानों में उत्साह है। कारोबारियों का कहना है कि समय पर बुकिंग और तेज पार्सल सेवा मिलने से मुजफ्फरपुर की शाही लीची देशभर के बाजारों तक ताजा और बेहतर गुणवत्ता में पहुंच सकेगी।

दो बहनों की हत्या, खेलने के दौरान 2 दिन पहले गायब हुई थीं, शरीर पर चोट के निशान

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में बुधवार की सुबह 2 दिन से लापता 2 बहनों की लाश मिली है। दोनों की बॉडी मकसूदपुर ईंट भट्ठे के पास मिली। पुलिस की माने तो लाशें सड़ने लगी थीं। आशंका जताई जा रही है कि 2 दिन पहले ही ये हत्याएं की गई हैं। बच्चियों के सिर, पेट और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के निशान हैं। मृत बच्चियों की पहचान मौसम कुमारी (12) और रूचि कुमारी (7) के रूप में हुई है। परिजन के अनुसार 2 दिन पहले दोनों चचेरी बहनें घर के बाहर खेल रही थीं। गांव में शादी थी, दोनों वहां बार-बार आना-जाना कर रही थीं। देर शाम तक वो घर नहीं लौटीं। जिसके बाद खोजबीन शुरू की गई। दोनों कहीं नहीं मिलीं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। घटना मीनापुर के रामपुरहरी थाना क्षेत्र की है। मृत बच्ची मौसम की मां रितु देवी ने बताया कि, 'मेरी बेटी 5वीं में पढ़ती थी। गांव में किसी से हमारा विवाद नहीं है। बच्ची घर के दरवाजे पर खेल रही थी। गांव में शादी भी थी। मेरी बेटी वहां भी आ-जा रही थी। इसी दौरान उसे कोई उठा ले गया और मारकर ईंट भट्ठे के पास फेंक दिया। मेरी बेटी को बेरहमी से पीट-पीटकर मारा गया है। बच्ची के दांत तक तोड़े गए हैं। उसके शरीर चोट के निशान हैं। लापता होने के बाद पुलिस को सूचना दी थी। हमें जान के बदला जान चाहिए। जिसने भी ये किया है उसे फांसी की सजा होनी चाहिए।' पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि डबल मर्डर में हर एंगल से जांच की जा रही है और जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी होगी।

2 शार्प शूटर्स का एनकाउंटर, विदेशी साव-पप्पू राय को मारी गोली

एजेंसी, पटना

बिहार पुलिस एक्शन में है। पटना में देर रात पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इसमें 2 शार्प शूटर विदेशी साव और पप्पू राय को पुलिस ने दौड़ाकर गोली मारी है। दोनों के पैर में गोली लगी है।

इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि एक बदमाश दीपक कुमार को अरेस्ट किया है। बीते दिनों पटना के गौरीचक थाना इलाके में हुए अंजनी सिंह हत्याकांड में तीनों अपराधी शामिल थे। तीनों ने शूटर के तौर पर काम किया था। पुलिस की माने तो तीनों किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए बिहटा इलाके में पहुंचे थे। विदेशी साव और पप्पू राय पर हत्या के कई केस दर्ज हैं। पुलिस ने घटनास्थल से कई हथियार भी बरामद किए हैं। महिला रिपोर्टर ने 2 दिन पहले डॉक्टर बनकर ऑपरेशन कॉन्ट्रैक्ट किलर में शूटर से पति के मर्डर की पूरी डील की थी। इसके बाद पुलिस ने शूटर्स पर ये बड़ा एक्शन लिया है।

पुलिस बोली- पहले अपराधियों ने टीम पर फायरिंग कीः पुलिस ने बताया कि STF को जानकारी मिली थी कि बिहटा क्षेत्र में 3 अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। पुलिस ने दोनों का लोकेशन ट्रैक करना शुरू किया। कुख्यात अपराधियों का लोकेशन बिहटा के आनंदपुर गांव के बांध के पास मिला। पुलिस ने दोनों बदमाशों को घेर लिया। पुलिस के मुताबिक खुद को घिरता देख दोनों अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू की। दोनों अपराधियों को पैर में गोली लगी। पुलिस ने दोनों को सरेंडर करने को कहा। दोनों हाथ उठाकर आगे बढ़े। इसके बाद उनकी गिरफ्तारी हुई। पुलिस दोनों को बिहटा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई। इसक बाद बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स रेफर किया गया है।

एसटीएफ बोली- बड़ी वारदात को अंजाम देने वाले थे

ओसामा शहाब की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी, पटना

पटना हाईकोर्ट ने सीवान कोर्ट के फैसले को पलटते हुए RJD विधायक ओसामा शहाब की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट के फैसले से ठीक पहले पटना में उनके आवास पर गिरफ्तार करने सीवान पुलिस पहुंच चुकी थी। मामला सीवान के महादेवा में एक जमीनी विवाद से जुड़ा है, जिसमें एक डॉक्टर दंपति ने FIR दर्ज कराई थी। ओसामा शहाब सीवान के रघुनाथपुर विधानसभा से विधायक हैं और बाहुबली पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के पुत्र हैं।

ओसामा को गिरफ्तार करने पटना पहुंची थी सीवान पुलिसः दरअसल, ओसामा शहाब की गिरफ्तारी के लिए सीवान पुलिस बुधवार को पटना पहुंची थी। सीवान SP अजय कुमार सिंह ने पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित MLA फ्लैट में छापेमारी की। हालांकि, ओसामा अपने सरकारी आवास पर मौजूद नहीं हैं। आवास के अंदर RJD विधायक के दो-तीन करीबी मौजूद थे, जिनसे पूछताछ की गई। उनलोगों ने पुलिस को बताया कि मामले में कोर्ट से स्टे मिला हुआ है। इसके बाद पुलिस ने स्टे से संबंधित दस्तावेज मांगे हैं। छापेमारी को लेकर भास्कर ने जब सीवान एसपी अजय सिंह से बातचीत करने की कोशिश की, तो उन्होंने मामले पर सीधे तौर पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

सीवान पुलिस गिरफ्तार करने पटना पहुंची थी, डॉक्टर दंपती को धमकी देने का आरोप

निशांत आज पहली बार जनसुनवाई में होंगे शामिल

एजेंसी, पटना

जनता दल यूनाइटेड की जन सुनवाई में आज बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार शामिल होंगे। वे पटना स्थित जेडीयू कार्यालय पहुंच गए हैं। जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत निशांत आज जनता की समस्याओं को सुनेंगे और उनका समाधान भी निकालेंगे। यह पहला मौका है जब निशांत आम जनता के बीच बैठकर जनसुनवाई जैसे कार्यक्रम में शामिल होंगे। जनसुनवाई कार्यक्रम में निशांत कुमार के साथ मंत्री रत्नेश सादा और दामोदर रावत भी मौजूद रहेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद बढ़ी सक्रियताः स्वास्थ्य मंत्री की जिम्मेदारी संभालने के बाद निशांत कुमार की राजनीतिक और प्रशासनिक सक्रियता लगातार बढ़ी है। इससे पहले निशांत अब तक सिर्फ कार्यकर्ताओं से मिलते रहे हैं। बिहार की यात्रा शुरू करने के बाद उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया था। अब वे बतौर स्वास्थ्य मंत्री विभाग के कामकाज देख रहे हैं, वहीं आज आम जनों के समस्याओं को सुनकर उसका समाधान निकालेंगे।

माना जा रहा है कि इस कार्यक्रम के जरिए सरकार जनता से सीधा संवाद मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

पटना के जदयू कार्यालय पहुंचे, लोगों की समस्याएं सुनेंगे, मंत्री रत्नेश सादा और दामोदर रावत भी मौजूद

पटना में आज शाम बजेगा सायरन, 15 मिनट रहेगा ब्लैकआउट, जिला प्रशासन का मॉकड्रिल

एजेंसी, पटना

राजधानी पटना में बुधवार शाम लोगों को अलग माहौल देखने को मिलेगा। शहर के कई इलाकों में अचानक सायरन बजेगा, लाइटें बंद होंगी और प्रशासनिक टीमें एक्टिव नजर आएंगी। हालांकि, घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि प्रशासन ने साफ किया है कि यह किसी वास्तविक खतरे की स्थिति नहीं बल्कि, सिविल डिफेंस का बड़ा मॉकड्रिल और ब्लैकआउट अभ्यास होगा। जिला प्रशासन के अनुसार, यह अभ्यास आपदा और हवाई हमला जैसी आपात स्थिति में तैयारियों को परखने के लिए किया जा रहा है। पूरे शहरी इलाके में एक साथ यह अभ्यास कर प्रशासन की तैयारियों को परखा जाएगा। मुख्य मॉकड्रिल से पहले बुधवार को पटना समाहरणालय में टेबल-टॉप एक्सरसाइज आयोजित की जाएगी। इसमें हवाई हमले जैसी स्थिति में विभिन्न विभागों की भूमिका और त्वरित प्रतिक्रिया का पूर्वाभ्यास किया जाएगा। अधिकारियों को आपसी समन्वय और त्वरित कार्रवाई को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

शाम 7 बजे से 15 मिनट तक रहेगा ब्लैकआउटः जिला प्रशासन के अनुसार 14 मई (गुरुवार) को शाम 7 बजे से 7:15 बजे तक पटना के शहरी क्षेत्रों में सिविल डिफेंस ब्लैकआउट किया जाएगा। जैसे ही सायरन बजेगा, लोगों को अपने घरों, दुकानों, कार्यालयों और प्रतिष्ठानों की लाइट बंद करनी होगी। प्रशासन ने लोगों से सहयोग करने और इसे गंभीरता से लेने की अपील की है। यह मॉकड्रिल सिर्फ पटना नगर निगम क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। इसके अलावा दानापुर निजामत, खगौल और फुलवारीशरीफ नगर परिषद क्षेत्रों में भी ब्लैकआउट और हवाई हमलों को लेकर मॉक अभ्यास किया जाएगा।

मॉकड्रिल के दौरान लोगों को कुछ जरूरी सावधानियां बरतनी होंगीः जिलाधिकारी ने कहा है कि, 'लोग पैनिक बिल्कुल न हों। यह केवल एक पूर्व निर्धारित अभ्यास है, ताकि किसी वास्तविक आपदा की स्थिति में प्रशासन और नागरिक दोनों तैयार रहें।' 14 मई को तय समय पर करीब 2 मिनट तक सिविल डिफेंस का सायरन बजेगा। इसे हवाई हमले की चेतावनी के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। सायरन बजते ही ब्लैकआउट लागू हो जाएगा और विभिन्न एजेंसियां राहत और बचाव कार्यों का अभ्यास शुरू करेंगी। मॉकड्रिल के लिए पटना में कई महत्वपूर्ण जगहों को सिमुलेशन साइट बनाया गया है। इनमें पटना समाहरणालय, बिस्कोमान भवन, बांकीपुर बस स्टैंड, आईजीआईएमएस शामिल हैं। यहां हवाई हमले जैसी काल्पनिक स्थिति तैयार कर राहत और बचाव कार्यों का अभ्यास किया जाएगा। प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पूरी गतिविधियों की निगरानी करेंगे।

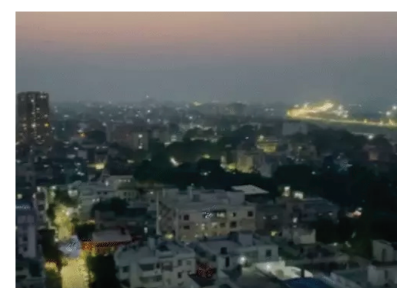

हवाई हमले जैसे हालात से निपटने का होगा अभ्यास, डीएम बोले- घबराएं नहीं

पटना में स्कूल जा रहे शिक्षक को गोली मारी

लूटपाट के दौरान हुई घटना, मोबाइल छीनने का किया विरोध; निजी अस्पताल में भर्ती

एजेंसी, पटना

पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक सरकारी स्कूल के शिक्षक को गोली मारकर घायल कर दिया गया। यह घटना नेशनल हाईवे स्थित नरल पेट्रोल पंप के पास मिश्रा वैली स्कूल के समीप हुई। घायल शिक्षक की पहचान 48 वर्षीय शंभू कुमार के रूप में हुई है, जो चंडी के एक सरकारी विद्यालय में कार्यरत हैं। उन्हें इलाज के लिए एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है।

स्कूल जाने के दौरान बदमाशों ने घेराः जानकारी के अनुसार, शंभू कुमार बुधवार सुबह अपने घर से विद्यालय जाने के लिए निकले थे। वह नेशनल हाईवे पर पैदल वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो अपराधी उनके पास पहुंचे और उनसे बैग तथा मोबाइल लूटने का प्रयास करने लगे।

विरोध करने पर मारी गोलीः जब शिक्षक शंभू कुमार ने इसका विरोध किया, तो अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। गोली उनके गले के नीचे लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद अपराधी उनका मोबाइल और बैग लूटकर मौके से फरार हो गए।

गोली की आवाज सुन जुटे लोगः गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायल शिक्षक को इलाज के लिए एक निजी नर्सिंग होम में पहुंचाया।

CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिसः घटना की सूचना मिलते ही अगमकुआं थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। अगमकुआं थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला लूटपाट का प्रतीत होता है। अपराधियों ने शिक्षक से बैग और मोबाइल छीनने का प्रयास किया था, और विरोध करने पर उन्हें गोली मार दी गई। पुलिस ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि सुबह के समय भी नेशनल हाईवे पर अपराधी बेखौफ होकर ऐसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

किसी से कोई विवाद नहीं था- पत्नीः घायल शिक्षक की पत्नी अंजनी कुमारी ने बताया कि उनके पति शंभू कुमार का किसी से कोई विवाद नहीं था। प्रत्येक दिन की तरह वह बुधवार की सुबह भी अपना बैग लेकर स्कूल के लिए निकले थे। पुलिस द्वारा उन्हें सूचना दी गई कि उनके पति को गोली लग गई है। भाग कर वे अस्पताल पहुंचे।

बाढ़ में 17 साल पुराना पुल ढहा, गड्ढे में गिरकर 5 युवक दबे

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के सकसोहरा थाना क्षेत्र स्थित दल्लोचक गांव में 17 साल पुराना ग्रामीण पुल अचानक ढह गया। हादसे के समय पुल पर बैठे पांच युवक नीचे गड्ढे में गिरकर घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

अचानक भरभराकर गिरा पुलः ग्रामीणों के मुताबिक, घटना सुबह करीब 10:30 बजे की है। पुल पर पांच से सात युवक बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक पुल भरभराकर गिर पड़ा। पुल टूटते ही वहां बैठे युवक नीचे जा गिरे और मलबे में फंस गए।

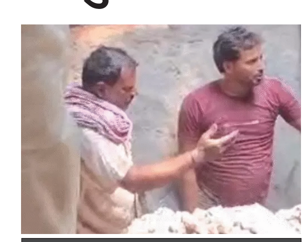

ग्रामीणों ने बांस-लकड़ी के सहारे निकाला बाहर, तीन की हालत गंभीर

ग्रामीणों ने बचाई युवकों की जानः हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और बांस व लकड़ी के सहारे फंसे युवकों को बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

क्लास में सोता रहा टीचर, मैदान में खेलते दिखे बच्चे

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के इब्राहिमपुर नयाटोला प्राथमिक स्कूल में शिक्षकों की लापरवाही का मामला सामने आया है। स्कूल प्रभारी का क्लासरूम में सोते हुए और बच्चों का मैदान में क्रिकेट खेलते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, स्कूल के अन्य शिक्षक इन दिनों जनगणना कार्य में लगे हुए हैं। वे सुबह ड्यूटी पर निकल जाते हैं, जिसके बाद स्कूल की जिम्मेदारी प्रभारी शिक्षक पर रहती है। आरोप है कि प्रभारी शिक्षक क्लास में ही सो जाते हैं और बच्चे क्लास छोड़कर मैदान में क्रिकेट खेलने चले जाते हैं।

ग्रामीणों ने बनाया वीडियोः ग्रामीणों का कहना है कि वे अपने बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजते हैं, लेकिन प्रभारी शिक्षक बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसको लेकर कई बार शिकायत भी की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने प्रभारी को सबक सिखाने के लिए सोते हुए उनका वीडियो बना लिया। बताया जा रहा है कि इससे पहले भी प्रभारी शिक्षक का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे स्कूल परिसर में एक महिला को छड़ी से पीटते नजर आए थे। उस मामले में बीईओ अमित कुमार ने कार्रवाई के लिए शिक्षा विभाग को पत्र लिखा था। बीईओ अमित कुमार ने कहा कि स्कूल प्रबंधन के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल समय में शिक्षक के सोते हुए वीडियो सामने आने के मामले को गंभीरता से लिया गया है और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

डीजल बसों की जगह अब बिहार में इलेक्ट्रिक बसें

एजेंसी, पटना

बिहार में परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार की पीएम ई-बस सेवा योजना फेज-II के तहत अगले माह बिहार को 200 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसों की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। इन बसों के परिचालन से राज्य की परिवहन व्यवस्था को नई रफ्तार मिलेगी, वहीं यात्रियों को भी आधुनिक और सुरक्षित सफर का अनुभव मिलेगा। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (BSRTC) की ओर से इस योजना को लेकर प्रक्रिया तेज कर दी गई है। निगम द्वारा इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति, संचालन और रखरखाव के लिए ग्रीनसेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड को लेटर ऑफ अवार्ड जारी कर दिया गया है। इस एजेंसी का चयन भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा किया गया है।

जून के अंत तक शुरू हो सकता है परिचालनः परिवहन सचिव राज कुमार ने बताया कि योजना के पहले चरण में जून माह के प्रथम सप्ताह तक 200 इलेक्ट्रिक बसें बिहार पहुंच जाएंगी। इसके बाद जून के अंतिम सप्ताह तक इन बसों का परिचालन शुरू करने का लक्ष्य तय किया गया है। पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत बिहार में कुल 400 इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन किया जाएगा।

बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के प्रशासक अतुल कुमार वर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। ग्रीनसेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 9 मीटर श्रेणी की 200 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति की जाएगी। यही कंपनी बसों के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी भी संभालेगी। पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत इन बसों का संचालन ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (GCC) मॉडल पर किया जाएगा। इस मॉडल में बसों के संचालन, रखरखाव और तकनीकी सेवाओं की जिम्मेदारी निजी एजेंसी की होगी, जबकि सरकार यात्रियों को बेहतर सेवा सुनिश्चित करेगी।

बिहार में शुरू होगा 400 इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन, जुलाई महीने से पहले सड़कों पर उतरेंगी 200 ई-बसें

इसके साथ ही इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए जरूरी इलेक्ट्रिक और सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर भी विकसित किया जाएगा। चार्जिंग स्टेशन, आधुनिक बस डिपो और अन्य तकनीकी सुविधाओं पर तेजी से काम चल रहा है ताकि बसों का परिचालन बिना किसी बाधा के किया जा सके। इन अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसों में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई आधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी। बसों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम लगाया जाएगा जिससे बसों की लाइव लोकेशन की जानकारी मिल सकेगी। इसके अलावा सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन की व्यवस्था होगी।

संक्षिप्त समाचार

अपराध की बड़ी साजिश नाकाम, 2 देशी पिस्टल के साथ 5 अपराधी गिरफ्तार

छतौनी पुलिस, डीआईयू और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए संभावित अपराध की योजना को विफल कर दिया है। छतौनी थाना पुलिस ने डीआईयू एवं एसटीएफ टीम के सहयोग से संयुक्त छापेमारी कर दो देशी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और एक टेम्पू के साथ पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 12 मई 2026 को छतौनी थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी तीन पहिया टेम्पू से हथियार लेकर बाईपास रोड के रास्ते किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना से आ रहे हैं। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों के निर्देश पर छतौनी थाना, डीआईयू एवं एसटीएफ की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर छापेमारी शुरू की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने टेम्पू सवार तीन युवकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के झरवा गांव निवासी अब्बास खान, अबरार अंसारी और इम्तेयाज खान के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान इनके पास से एक देशी पिस्टल बरामद की गई। पूछताछ के दौरान मिली निशानदेही पर पुलिस ने पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के मठिया गांव में छापेमारी कर एक अन्य हथियार के साथ दो और अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में रंजीत कुमार कुशवाहा एवं रोहित कुमार शामिल हैं। पुलिस ने इस कार्रवाई में कुल दो देशी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, एक टेम्पू तथा चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस सफल अभियान में छतौनी थाना अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार पासवान, अपर थानाध्यक्ष श्रीकांत चौहान, राहुल देव वर्मा, मो. फिरोज, डीआईयू टीम के पुलिस पदाधिकारी एवं एसटीएफ जवान शामिल थे।

मधुबन थाना पुलिस की कार्रवाई, देशी कट्टा के साथ दो गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। मधुबन थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को एक देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बहुअराभान गांव निवासी मिथुन कुमार एवं शैल कुमार के रूप में हुई है। दोनों आरोपी सकलदेव सहनी के पुत्र बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार मधुबन थाना अंतर्गत ग्राम बहुअराभान में छापेमारी के दौरान दोनों को एक देशी कट्टा के साथ पकड़ा गया। मामले में मधुबन थाना कांड संख्या 187/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा हथियार के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

नवसृजित प्राथमिक विद्यालय में भारतीय भाषा समर कैंप का शुभारंभ

बीएनएम @ तुरकौलिया। प्रखंड क्षेत्र के शंकर सरैया स्थित शेख शरण टोला नवसृजित प्राथमिक विद्यालय में सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का आयोजन शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान शिक्षक रविभूषण मिश्र एवं विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रधान शिक्षक ने कहा कि समर कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषाई कौशल, सांस्कृतिक समझ और रचनात्मक क्षमता का विकास करना है। सात दिनों तक चलने वाले इस भाषा उत्सव में बच्चों के लिए विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रथम दिन अभिनंदन, परिचय, वर्णमाला, संख्या ज्ञान तथा समान शब्दावली से संबंधित गतिविधियां आयोजित की गईं। दूसरे दिन वर्चुअल बाजार, बस स्टैंड, दिशा पूछना एवं भोजन ऑर्डर करने जैसे विषयों पर संवाद अभ्यास कराया जाएगा। तीसरे दिन गीत, संगीत, नृत्य, चित्रकला एवं स्थानीय कला गतिविधियों का आयोजन होगा। चौथे दिन स्थानीय व्यंजन, फल, सब्जियां और मसालों के नाम से जुड़ी गतिविधियां कराई जाएंगी। पांचवें दिन स्थानीय गायकों, स्वतंत्रता सेनानियों एवं कलाकारों से संबंधित परिचर्चा आयोजित होगी। छठे दिन भारत के इतिहास, भूगोल, नदियों, पर्वतों और ऐतिहासिक स्थलों पर चर्चा की जाएगी। वहीं अंतिम दिन विद्यार्थियों की प्रस्तुति, अभिभावकों की सहभागिता तथा प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। विद्यालय परिवार ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों में भाषा सीखने के प्रति रुचि बढ़ेगी और उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा।

तुरकौलिया में बीए छात्र का शव फंदे से लटका मिला, प्रेम प्रसंग में आत्महत्या की आशंका

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर में बुधवार को एक बीए छात्र का शव कमरे में फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग में आत्महत्या से जुड़ा बताया जा रहा है। मृतक की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मानिकपुर सरेया गांव निवासी छोटन दास के 20 वर्षीय पुत्र मनीष कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मनीष रघुनाथपुर में रहकर बीए की प्रयोगिक परीक्षा की तैयारी कर रहा था। साथ ही वह पार्ट टाइम काम भी करता था। स्थानीय लोगों एवं दोस्तों के अनुसार मनीष पिछले तीन-चार महीनों से काफी परेशान चल रहा था। बताया जा रहा है कि उसका एक युवती के साथ पिछले तीन-चार वर्षों से प्रेम संबंध था, लेकिन बीते पांच-छह महीनों से दोनों के बीच संबंध ठीक नहीं चल रहा था। इसी बीच युवती की शादी तय हो जाने के बाद से वह काफी तनाव में रहने लगा था। मंगलवार की रात उसने अपने परिजनों से फोन पर बातचीत की थी। इसके बाद वह खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। देर रात जब उसके दोस्त कमरे में पहुंचे तो देखा कि वह फंदे से लटका हुआ है। घटना की जानकारी तुरंत पुलिस और परिजनों को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रघुनाथपुर प्रभारी थानाध्यक्ष मिंटू कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि फंदे से लटका युवक का शव बरामद किया गया है। प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

पकड़ीदयाल अनुमंडल कार्यालय में राजस्व मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। अनुमंडल पदाधिकारी, पकड़ीदयाल द्वारा बुधवार को अनुमंडल क्षेत्र के सभी राजस्व कर्मचारी, राजस्व अधिकारी एवं अंचलाधिकारियों के साथ राजस्व संबंधी मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान लंबित दाखिल-खारिज, परिमार्जन, ई-मापी तथा अभियान बसेरा से संबंधित आवेदनों की समीक्षा की गई। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आम जनता से जुड़े इन मामलों का त्वरित एवं पारदर्शी निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा सरकार की विकास परियोजनाओं से संबंधित भू-अर्जन एवं संपरिवर्तन मामलों को भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया, ताकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। बैठक में सड़क दुर्घटना एवं अन्य प्राकृतिक या आकस्मिक आपदाओं से होने वाली क्षति के मामलों में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अनुग्रह अनुदान की प्रक्रिया में तेजी लाने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि पीड़ितों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जाए। समीक्षा बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री कार्य में प्रगति लाने के लिए परिमार्जन मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष बल दिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सहयोग शिविर की तैयारी को लेकर तेतरिया प्रखंड कार्यालय में बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) मो. शिबगतुल्लाह ने बुधवार को तेतरिया प्रखंड कार्यालय पहुंचकर आगामी 19 मई को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में अब तक प्राप्त आवेदनों एवं उनके निष्पादन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर समाहर्ता ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अब तक प्राप्त सभी आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सहयोग शिविर के दिन कोई भी आवेदन लंबित नहीं रहना चाहिए। बताया गया कि 19 मई को तेतरिया प्रखंड के कोठिया एवं पुनास लहलादपुर पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के माध्यम से आम लोगों की समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया जाएगा। बैठक के बाद अपर समाहर्ता ने दोनों पंचायतों के पंचायत सरकार भवन पहुंचकर वहां की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

बंजारिया में ईख ग्राम सभा आयोजित, किसानों को दी गई आधुनिक गन्ना खेती की जानकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सुगौली चीनी मिल क्षेत्र अंतर्गत बंजारिया प्रखंड के सेमरा टोला, भोला पंचायत में बुधवार को ईख ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राहुल कुमार, ईख पदाधिकारी मोतिहारी-सह-सचिव, क्षेत्रीय विकास परिषद सुगौली के नेतृत्व में किया गया। ग्राम सभा में किसानों को गन्ना उत्पादन से जुड़ी आधुनिक तकनीकों एवं वैज्ञानिक खेती की विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को उन्नत बीज चयन, रोग एवं कीट नियंत्रण, समय पर बुआई, संतुलित उर्वरक उपयोग, सिंचाई प्रबंधन तथा गन्ना सर्वे एवं पंजीकरण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान किसानों को गन्ना खेती में नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादन एवं गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने पर लागत कम होने के साथ उत्पादन में भी वृद्धि होती है। इस अवसर पर सुगौली चीनी मिल के डीजीएम सीताराम भारद्वाज, उप गन्ना प्रबंधक संजीव चौहान, कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर के वरीय वैज्ञानिक डॉ. हर्ष बीआर सहित पश्चिमी चंपारण के वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। ग्राम सभा में विशेषज्ञों ने किसानों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए तकनीकी सुझाव दिए। साथ ही किसानों से अपील की गई कि वे अनुशंसित विधियों को अपनाते हुए समय पर गन्ना आपूर्ति करें, ताकि चीनी मिल संचालन सुचारु रूप से चल सके। कार्यक्रम के अंत में ईख पदाधिकारी राहुल कुमार ने उपस्थित किसानों एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सहयोग शिविर की तैयारी को लेकर बनकटवा प्रखंड कार्यालय में समीक्षा बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला योजना पदाधिकारी राहुल रंजन ने बुधवार को बनकटवा प्रखंड कार्यालय पहुंचकर आगामी 19 मई को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर प्राप्त आवेदनों एवं उनके निष्पादन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिन दो पंचायतों में 19 मई को सहयोग शिविर आयोजित होना है, वहां से अब तक विभिन्न विभागों को मिलाकर कुल 95 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 52 आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निष्पादन किया जा चुका है। जिला योजना पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अब तक प्राप्त सभी लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि सहयोग शिविर के दिन कोई भी आवेदन लंबित न रहे। उन्होंने आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष जोर दिया। ज्ञात हो कि 19 मई को बनकटवा प्रखंड के बनकटवा एवं जीतपुर पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। बैठक के बाद जिला योजना पदाधिकारी ने दोनों पंचायतों के पंचायत सरकार भवन पहुंचकर वहां की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि शिविर में आने वाले लोगों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना जाए तथा प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पॉक्सो एक्ट को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की बैठक, "सुरक्षित बचपन-सुरक्षित भविष्य" अभियान पर जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मोतिहारी द्वारा बुधवार को सचिव नितिन त्रिपाठी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की "जागृति योजना-2025" के अंतर्गत मई 2026 के निर्धारित विषय "सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य" को लेकर किया गया। बैठक में विद्यालयों एवं समुदाय स्तर पर पॉक्सो अधिनियम 2012 के प्रति व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सचिव नितिन त्रिपाठी ने निर्देश दिया कि जिले के विभिन्न विद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) के प्रावधानों की जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है और विद्यालयों में सुरक्षित एवं संवेदनशील वातावरण तैयार करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए विद्यालय प्रबंधन समितियों, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी), पुलिस विभाग, महिला हेल्पलाइन, आशा कार्यकर्ताओं एवं स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विद्यालयों में "लीगल अवेयरनेस कॉर्नर" स्थापित किए जाएंगे, जहां बच्चों एवं अभिभावकों को हेल्पलाइन नंबर, कानूनी सहायता तथा शिकायत प्रक्रिया संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही बच्चों को नुक्कड़ नाटक, कहानी, ऑडियो-वीडियो सामग्री एवं संवाद कार्यक्रमों जैसे सरल और रोचक माध्यमों से जागरूक किया जाएगा। सचिव नितिन त्रिपाठी ने सभी संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने का निर्देश देते हुए कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा पूरे जिले में चरणबद्ध तरीके से जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक सुनील कुमार, वरीय उप समाहर्ता निधि, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश, प्रशांत कुमार चौधरी, जिला कल्याण पदाधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय, डॉ. मुकेश कुमार कुशवाहा, चन्द्रदीप कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हरसिद्धि में दर्दनाक सड़क हादसा, बाइक सवार युवक की मौत

» अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, अस्पताल ले जाने के दौरान तोड़ा दम

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मोतिहारी से अपने घर लौट रहे बाइक सवार युवक को हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मटियारिया के समीप किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद कुछ देर तक युवक सड़क पर तड़पता रहा। इसी दौरान वहां से गुजर रहे "हवा हवाई" चालक ने मानवता का परिचय देते हुए घायल युवक को तुरंत उठाकर इलाज के लिए अरेराज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। लेकिन अत्यधिक चोट लगने के कारण अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मनगुरहा पंचायत के दामोदरपुर गांव निवासी राजीव कुमार मिश्र के रूप में की गई है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं सूचना पर मनगुरहा मुखिया प्रतिनिधि विकास उपाध्याय सहित सैकड़ों ग्रामीण अरेराज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल परिसर में लोगों की भारी भीड़ जुट गई और माहौल गमगीन हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान करने तथा हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय सुगांव में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के जिला कल्याण पदाधिकारी संतोष कुमार पांडेय ने बुधवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय, सुगांव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर का भी अनुश्रवण किया गया। आयोजित शिविर में विद्यालय के कुल 130 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के उपरांत चिकित्सकों द्वारा आवश्यक दवाइयां भी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई गईं। निरीक्षण के क्रम में जिला कल्याण पदाधिकारी एवं जिला परियोजना प्रबंधक जीविका, पूर्वी चंपारण ने विद्यालय के मेस संचालन, साफ-सफाई, पोशाक आपूर्ति एवं पोशाक धुलाई व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने विभागीय निर्देशों के अनुरूप निर्धारित मेनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने तथा विद्यालय परिसर, छात्रावास एवं वर्ग कक्षों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही विद्यार्थियों को समय पर पोशाक उपलब्ध कराने एवं पोशाक धुलाई कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने का भी निर्देश दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य पंकज कुमार, सभी शिक्षकगण तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुगौली के डॉ. मनमोहन कुमार, डॉ. के. के. भारती, एएनएम अंकिता, एएनएम अंजु एवं परिचारी उमेश सिंह उपस्थित रहे।

'सोशियोस्केप्स': नई शिक्षा नीति को जीवंत अनुभव में बदलता महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का अभिनव आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 11 एवं 12 मई 2026 को आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम "सोशियोस्केप्स" नई शिक्षा नीति की भावना को व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत करने वाला एक अनूठा आयोजन बनकर सामने आया। इस कार्यक्रम ने शिक्षा, समाज, संस्कृति, कला, कौशल और संवाद को एक मंच पर जोड़ते हुए विद्यार्थियों को अनुभवात्मक एवं रचनात्मक सीखने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद राधा मोहन सिंह रहे। उन्होंने प्रदर्शनी, कला दीर्घा और विभिन्न कार्यशालाओं का अवलोकन कर विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है। वहीं कैंपस निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षा को जीवन और समाज से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के दौरान डॉक्यूमेंट्री एवं फिल्म विश्लेषण, चित्रकला, मिथिला कला और साइबर जागरूकता विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। साइबर जागरूकता सत्र में डीएसपी अभिनव पाराशर ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल सतर्कता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। समाजशास्त्र विभाग की "माइग्रेशन" विषयक प्रदर्शनी ने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया, जिसमें प्रवासी मजदूरों की पीड़ा और विस्थापन को प्रतीकात्मक ढंग से दर्शाया गया। इसके अलावा "पानी का मूल्य", "पैसे की यात्रा" और "महिलाओं पर सौंदर्य का बोझ" जैसे सामाजिक विषयों पर विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। कार्यक्रम का "फूड कल्चर ज़ोन" भी आकर्षण का केंद्र रहा, जहां विद्यार्थियों ने पारंपरिक व्यंजनों के माध्यम से उद्यमिता, श्रम और प्रबंधन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। सांस्कृतिक संध्या में विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य और कला प्रस्तुतियों से माहौल को जीवंत बना दिया। दो दिवसीय यह आयोजन नई शिक्षा नीति के तहत बहुआयामी शिक्षा, सामाजिक चेतना और रचनात्मक नेतृत्व का प्रभावशाली उदाहरण बनकर उभरा।

संक्षिप्त समाचार

दो बाइक की सीधी टक्कर में दो युवकों की मौत

बीएनएम @ सारणः छपरा-मुजफ्फरपुर एनएच-722 पर भेल्दी थाना क्षेत्र के रायपुरा कोल्ड स्टोरेज के पास दो बाइकों के बीच हुई भीषण टक्कर में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों मे परसा के अंजनी मठिया निवासी अरबिंद कुमार गरखा के पोहिया निवासी मो ऐजाज के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि छपरा की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक और विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बाइक में आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घटनास्थल पर ही दोनो युवकों की मौत हो गई और अफरा-तफरी मच गया। घायलों में रणजीत कुमार और अमित कुमार शामिल हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सूचना मिलते ही भेलदी और गरखा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आवागमन सुचारू कराया।

बीच गंगा में फंसी यात्रियों से भरी नाव,दो घंटे तक अटकी रही सांसें

प्रशासन ने चलाया बचाव अभियान

बीएनएम @ भागलपुर। विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त होने के बाद गंगा पार करने के लिए नाव ही एकमात्र सहारा रह गई है, लेकिन बुधवार को एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। बरारी घाट से महादेवपुर घाट जा रही एक यात्री नाव का इंजन बीच गंगा की तेज धार में अचानक खराब हो गया। नाव पर क्षमता से अधिक यात्री और कई मोटरसाइकिलें लदी हुई थीं। इंजन बंद होते ही नाव लहरों के बीच अनियंत्रित होकर फंस गई, जिससे उस पर सवार महिलाओं और बच्चों के बीच चीख-पुकार मच गई। लगभग दो घंटे तक यात्री बीच मंझधार में जिंदगी और मौत के बीच जूझते रहे।नाविकों द्वारा इंजन चालू करने की तमाम कोशिशें नाकाम रहने के बाद घटना की सूचना प्रशासन को दी गई। इंस्पेक्टर नीलू के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और युद्धस्तर पर राहत-बचाव कार्य शुरू किया। टीम ने सूझबूझ का परिचय देते हुए सबसे पहले महिलाओं और घबराए हुए यात्रियों को दूसरी नाव के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि, संसाधनों की कमी के कारण मोटरसाइकिलों को तुरंत दूसरी नाव पर शिफ्ट करना संभव नहीं हो सका। बचाव दल के अनुसार, खराब नाव को टोचन के जरिए सुरक्षित घाट तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर सेतु के अभाव में जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे हजारों लोगों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जिले में गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित

24 घंटे में हुई 10,928 होम डिलीवरी

बीएनएम @ बेतियाः जिले में रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा के अनुसार, वर्तमान में जिले के पास 28,914 घरेलू (14.2 किग्रा) और 1,314 वाणिज्यिक (19 किग्रा) गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। गैस वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के निरंतर प्रयासों के चलते पिछले 24 घंटों में रिकॉर्ड 10,928 सिलेंडरों की होम डिलीवरी की गई है।उपभोक्ताओं की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए प्रशासन ने शिकायत निवारण तंत्र को भी तेज कर दिया है। अब तक प्राप्त 23 शिकायतों को त्वरित कार्रवाई हेतु संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को भेज दिया गया है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि गैस बुकिंग, डिलीवरी या किसी भी प्रकार की अनियमितता से संबंधित समस्या हो, तो वे जिला नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबरों 06254-247002 एवं 06254-247003 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। प्रशासन का लक्ष्य बेहतर समन्वय के जरिए हर घर तक समय पर गैस पहुंचाना और कालाबाजारी या देरी जैसी समस्याओं को पूरी तरह समाप्त करना है।

बच्ची को पीटने पर भड़के ग्रामीण, स्कूल में घुसकर शिक्षकों से मारपीट

20-25 लोगों ने स्कूल में किया हंगामा

बीएनएम @ भागलपुरः भागलपुर जिले के पीरपैंती प्रखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर में बुधवार को एक छात्रा को थप्पड़ मारे जाने के विवाद ने हिंसक मोड़ ले लिया, जिससे पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की शुरुआत तब हुई जब छुट्टी के समय एक छात्रा द्वारा कथित तौर पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने पर शिक्षक ने उसे थप्पड़ मार दिया। छात्रा ने घर जाकर इसकी जानकारी दी, जिसके बाद राजगंज गांव से 20-25 लोग विद्यालय पहुंचे और शिक्षकों के साथ धक्का-मुक्की, गाली-गलौज व मारपीट शुरू कर दी। विद्यालय परिसर देखते ही देखते रणक्षेत्र में तब्दील हो गया, जिससे शिक्षकों और छात्रों के बीच भारी भय का माहौल बन गया।वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा बीच-बचाव की कोशिशों के बावजूद स्थिति अनियंत्रित रही, जिसके बाद प्रधानाध्यापक मनोज कुमार ने पीरपैंती थाना को सूचित किया। मौके पर पहुंची डायल 112 और गश्ती पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत कराया। पीड़ित शिक्षक देवानंद पासवान ने आरोप लगाया है कि उनके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया गया और मोहम्मद फैयाज व मोहम्मद मेहरान नामक युवकों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। शिक्षक के अनुसार, आरोपियों ने विद्यालय से बाहर निकलने पर उन्हें गोली मारने की बात कही। थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

कस्टीकरी में विवाहिता की संदिग्ध मौत

ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप

बीएनएम @ भागलपुरः बाथ थाना क्षेत्र के कस्टीकरी गांव में बुधवार को एक विवाहिता, पूजा कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका मुंगेर जिले के खड़गपुर तेगड़ा की रहने वाली थी, जिसकी शादी 2013 में मुनेश्वर कुमार के साथ हुई थी। घटना के बाद मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि शादी के बाद से ही पूजा को दहेज के लिए लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।परिजनों के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जिसे सुलझाने के लिए गांव में पंचायत बुलाई गई थी। पंचायत के निर्णय के अनुसार एक बॉन्ड भी तैयार किया गया था, जिसकी प्रति परिजनों के पास मौजूद है। मृतका अपने पीछे तीन मासूम बच्चों (एक बेटा और दो बेटियां) को छोड़ गई है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। मायके पक्ष ने पुलिस से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त सजा की मांग की है, जबकि घटना के बाद से गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है।

टक्कर के बाद एक किमी तक बाइक सवार को घसीटती रही बस

कोंच प्रखंड का निवासी बाइकष सवार की हालत नाजुक

बीएनएम @ गयाजी। जिले के पंचानपुर एक अनियंत्रित बस ने न केवल एक बाइक सवार को टक्कर मारी, बल्कि उसे अपनी चपेट में लेकर लगभग 1 किलोमीटर तक सड़क पर बेरहमी से घसीटती रही। मोटरसाइकिल बस के अगले हिस्से में फंसी हुई थी ! प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल व्यक्ति कोंच प्रखंड का निवासी बताया जा रहा है। टक्कर इतनी जोरदार थी और घसीटे जाने के कारण पीड़ित की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। घटना की सूचना मिलते ही पंचानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए। दुर्घटनाग्रस्त बस और बाइक, और ड्राईवर तीनों को अपने कब्जे में ले लिया है। दोनों वाहनों को पंचानपुर थाना परिसर में सुरक्षित लगा दिया गया है। पुलिस अब लाइव वीडियो और चश्मदीदों के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

निगरानी ब्यूरो की दो बड़ी कार्रवाई, कृषि कार्यालय के बड़ा बाबू और पुलिस अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

बीएनएम @ पटना/शिवहर

पटना/शिवहर। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बुधवार को दो अलग-अलग मामलों में सरकारी कर्मियों को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दोनों कार्रवाई में निगरानी टीम को सफलता मिली है।

शिवहर में कृषि कार्यालय के बड़ा बाबू गिरफ्तार-निगरानी ब्यूरो की टीम ने शिवहर जिला कृषि कार्यालय में कार्यरत बड़ा बाबू विजेंद्र कुमार को 8 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। बताया गया कि पिपराही थाना क्षेत्र के माधोपुर सिंघाही निवासी मनीषा देवी ने निगरानी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि खाद एवं बीज दुकान का लाइसेंस बनवाने के एवज में रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी थाना कांड संख्या 055/26 दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक शिव कुमार साह के नेतृत्व में गठित धावा दल ने बुधवार को जिला कृषि कार्यालय, शिवहर स्थित कार्यालय कक्ष से विजेंद्र कुमार को 8 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को विशेष न्यायालय, निगरानी, मुजफ्फरपुर में प्रस्तुत किया जाएगा।

पटना में पुलिस अधिकारी एक लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार- दूसरी कार्रवाई में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने पटना जिले के जानीपुर थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक सह अपर थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह को एक लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रूपसपुर थाना क्षेत्र के विकास विहार कॉलोनी निवासी कौशल किशोर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि जानीपुर थाना क्षेत्र में स्थित उनकी जमीन की सरकारी अमीन से मापी कराने के बावजूद असामाजिक तत्वों द्वारा बाउंड्री नहीं बनने दी जा रही थी। बाउंड्री निर्माण कराने के एवज में पुलिस अधिकारी द्वारा एक लाख रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत सत्य पाए जाने के बाद निगरानी थाना कांड संख्या 056/26 दर्ज कर पुलिस उपाधीक्षक अरुणोदय पाण्डेय के नेतृत्व में धावा दल का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए जानीपुर थाना क्षेत्र के नगवा टोला स्थित नहर के समीप सड़क किनारे से संजय कुमार सिंह को एक लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। निगरानी ब्यूरो ने दोनों मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पताही में खुलेगा राजकीय डिग्री कॉलेज, उच्च शिक्षा का सपना होगा साकार

बीएनएम @ पताही

पताही। प्रखंड के छात्र-छात्राओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अब उच्च शिक्षा के लिए उन्हें बड़े शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। पताही के सिंघेश्वर सेमिनरी उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन में राजकीय डिग्री महाविद्यालय के संचालन का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। बीआरएबीयू विश्वविद्यालय ने आरडीएस कॉलेज के प्रो. मकबूल हुसैन को नवस्थापित महाविद्यालय का प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का लक्ष्य शैक्षणिक सत्र 2026-30 से यहां नियमित रूप से नामांकन और पठन-पाठन शुरू कराने का है।

विद्यालय भवन से होगा अस्थायी संचालन- शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार, महाविद्यालय का अस्थायी संचालन सिंघेश्वर सेमिनरी उच्च माध्यमिक विद्यालय के भवन से किया जाएगा। इसी भवन में कक्षाओं के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यों की भी शुरुआत होगी। इससे प्रखंड के हजारों छात्र-छात्राओं को स्नातक की पढ़ाई के लिए दूर-दराज के शहरों में जाने की मजबूरी से राहत मिलेगी।

क्षेत्र में खुशी की लहर- प्रभारी प्राचार्य की नियुक्ति की खबर मिलते ही क्षेत्र के युवाओं, अभिभावकों और शैक्षणिक जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है। लोगों का मानना है कि कॉलेज खुलने से क्षेत्र में शिक्षा का स्तर मजबूत होगा और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी बेहतर अवसर मिलेंगे।

विधायक ने बताया ऐतिहासिक कदम-स्थानीय विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से डिग्री कॉलेज की मांग कर रही थी। उनकी पहल पर सरकार ने इस मांग को स्वीकृति दी और अब प्रभारी प्राचार्य की नियुक्ति के साथ ही कॉलेज संचालन की प्रक्रिया तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2026-30 से नामांकन प्रक्रिया शुरू होने की पूरी संभावना है। यह कदम पताही प्रखंड के शैक्षणिक और सामाजिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। अब स्थानीय स्तर पर ही छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की सुविधा मिल सकेगी।

14 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न, खुशियों से गूंजा मच्छरगांवा

बीएनएम @ योगापट्टी

योगापट्टीः योगापट्टी प्रखंड के मच्छरगांवा स्थित ठाकुर धाम मंदिर परिषद में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में 14 जोड़ी दूल्हा-दुल्हन सात फेरे लेकर वैवाहिक बंधन में बंध गए। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। विवाह समारोह में आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम को लेकर आयोजन समिति एवं ग्रामीणों ने मिलकर भव्य तैयारी की थी। विवाह स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। वैदिक मंत्रोच्चार और रीति-रिवाजों के बीच सभी जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। समारोह में समाज के कई गणमान्य लोग, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। लोगों ने सामूहिक विवाह को सामाजिक सहयोग और भाईचारे की मिसाल बताया। आयोजन समिति द्वारा सभी मेहमानों

के लिए भोजन एवं अन्य सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की गई थी। ग्रामीणों ने बताया कि इस तरह के सामूहिक विवाह से जरूरतमंद परिवारों को काफी सहारा मिलता है और समाज में एकता का संदेश जाता है। कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सामूहिक विवाह में उपस्थित लौरिया विधानसभा विधायक विनय बिहारी पूर्व मुखिया जयप्रकाश प्रसाद शत्रुघन यादव और भी बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित रहे और इस विवाह में सबसे बड़ी अहम भूमिका लौरिया विधानसभा विधायक विनय बिहारी का रहा

मौत को दावत देता बेलाही राम का जर्जर पुल : टूटी रेलिंग और खतरनाक मोड़ से बढ़ा हादसे का डर, ग्रामीणों ने उठाई नए पुल की मांग

बीएनएम @ पताही

पताही। प्रखंड क्षेत्र के बेलाही राम गांव में स्थित जर्जर लोहे का पुल इन दिनों लोगों के लिए बड़ी परेशानी और खतरे का कारण बना हुआ है। पुल की रेलिंग पूरी तरह टूट चुकी है, जबकि पुल के समीप स्थित घुमावदार मोड़ के कारण हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय ग्रामीणों ने नए पुल निर्माण एवं अविलंब मरम्मत की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पुल बेलाही राम पंचायत के मुख्य मार्ग पर एक नाले के ऊपर बना हुआ है और इसकी स्थिति वर्षों से खराब बनी हुई है। पुल की रेलिंग टूट जाने से बाइक चालकों, साइकिल सवारों और पैदल यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर रात के समय यहां दुर्घटना होने का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि घुमावदार सड़क और जर्जर पुल के कारण कई बार लोग संतुलन खोकर नीचे गिर चुके हैं। इसके बावजूद अब तक न तो पुल की मरम्मत कराई गई और न ही नए पुल निर्माण को लेकर कोई ठोस पहल की गई है। लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। बताया जाता है

कि यह पुल बेलाही राम, फेनहारा, कालू पकड़ी और मड़पा समेत कई गांवों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इसी रास्ते से प्रखंड मुख्यालय, शिवहर और मधुबन आने-जाने वाले सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन प्रतिदिन गुजरते हैं। ऐसे में पुल की जर्जर स्थिति कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ग्रामीणों और समाजसेवियों ने प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़ी घटना के इंतजार के बजाय जल्द से जल्द पुल की मरम्मत अथवा नए पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

मृतका के परिजनों से मिलने पहुंचे लोजपा जिलाध्यक्ष

अधिकारियों सँग पीड़ित परिवार से मुलाक़ात करते लोजपा जिलाध्यक्ष

बीएनएम @ शेखपुरा

शेखपुरा. जिले के अरियरी थाना क्षेत्र अंतर्गत विसहिया और जखौर गांव के बीच एक महिला बिनोद पासवान की पत्नी मंजू देवी की मंगलवार को निर्मम तरीके से हत्या कर शव बीच बधार में फेंक दिया था। बुधवार को लोजपा जिलाध्यक्ष इमाम गजाली बिसाहिया गांव पहुंचे और मृतक के परिवार से मुलाक़ात की। उन्होंने

» हरसंभव मदद का दिलाया भरोसा

शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने मामले की उच्च स्तरीय और खोजी कुत्ता से जांच कराने की मांग की है। इस मौके पर लोजपा के जिला उपाध्यक्ष महेश पासवान, मिथुन पासवान, मोहम्मद अमजद और मोहम्मद समजद भी मौजूद रहे।

वीडियो वायरल होने के बाद गायब डॉक्टर से पूछा स्पष्टीकरण

बीएनएम @ बगहा

बगहाः बगहा के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोनौली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में अस्पताल में मौजूद नर्स रंजू कुमारी से एक व्यक्ति चिकित्सक की अनुपस्थिति को लेकर सवाल पूछता नजर आ रहा है। वीडियो में व्यक्ति यह पूछ रहा है कि अस्पताल में डॉक्टर क्यों नहीं हैं और मरीजों का इलाज कौन कर रहा है। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि अस्पताल का संचालन केवल नर्स के भरोसे किया जा रहा है। वीडियो में कुछ मरीज इलाज कराने पहुंचे दिखाई दे रहे हैं, वहीं कुछ छोटी बच्चियां वैक्सीन लगवाने आई हैं। दावा किया जा रहा है कि डॉक्टर की गैरमौजूदगी में नर्स के द्वारा वैक्सीन लगाया जा रहा है। नर्स से डॉक्टर के बारे में पूछे जाने पर वह कहती हैं कि डॉक्टर आज नहीं आए हैं और उनकी ड्यूटी कोर्ट में भी रहती है। हालांकि जानकारी के अनुसार बगहा व्यवहार न्यायालय में डॉ. संदीप कुमार राय की ड्यूटी रहती है, जबकि अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोनौली की जिम्मेदारी डॉ. अरुण कुमार सिंह को सौंपी गई है। वीडियो में डॉ. अरुण कुमार सिंह के कई दिनों से अस्पताल से गायब रहने का आरोप लगाया गया है। जानकारी मिलने के बाद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी हरनाटांड़ डॉ. केबीएन सिंह ने जांच कराई। जांच में डॉ. अरुण कुमार सिंह बिना सूचना के अपने कार्यस्थल से अनुपस्थित पाए गए। इसके बाद उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. केबीएन सिंह ने बताया कि डॉ. अरुण कुमार सिंह की पत्नी के बीमार होने की सूचना मिली है।

अरेराज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बस से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद

» दो शराब तस्कर गिरफ्तार, 24.75 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज । बिहार में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए अरेराज पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सीवान से अरेराज आ रही एक बस से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। इस दौरान शराब की तस्करी कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार

पुलिस को सूचना मिली थी कि एक बस के माध्यम से शराब की खेप अरेराज लाई जा रही है। सूचना मिलते ही अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्यक्ष कुमारी के नेतृत्व में एसआई राजेश तिवारी एवं पुलिस टीम ने बस को रोककर सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान दो संदिग्ध युवकों के पास रखे बैग की जांच की गई, जिसमें भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने दोनों बैग से कुल 33 पीस अंग्रेजी शराब जब्त की, जिसमें 17 पीस 'रॉयल स्टैग' एवं 16 पीस 'ब्लेंडर्स प्राइड' शामिल हैं। बरामद शराब की कुल मात्रा 24.75 लीटर बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान केसरिया थाना क्षेत्र के कोढिया निवासी संजीत कुमार सिंह के 19 वर्षीय पुत्र निखिल कुमार तथा कोटवा थाना क्षेत्र निवासी बिदनेस गिरी के 18 वर्षीय पुत्र अनिकेत कुमार के रूप में हुई है। दोनों पूर्वी चंपारण जिले के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शराब तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

राष्ट्रीय एकता की भावना को आघात

किसी राज्य से लिया गया ड्राइविंग लाइसेंस पूरे भारत में मान्य होता है। ऐसे में, भाषा बोलने- पढ़ने की क्षमता के आधार पर किसी राज्य में उसकी मान्यता खत्म करना विवादास्पद एवं आपत्तिजनक सोच है। संभवतः यह अवैध भी है। टैक्सी और ऑटो ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा में निपुण होने की शर्त लागू कर महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रीय एकता की भावना को आघात पहुंचाया है। देश के किसी हिस्से में जाकर रोजी-रोटी कमाने के नागरिकों के मूलभूत संवैधानिक अधिकार के खिलाफ तो यह कदम है ही। इसे भाषा या क्षेत्र के आधार पर नागरिकों के साथ भेदभाव करना भी माना जाएगा। राज्य सरकार के निर्णय के मुताबिक अगले एक मई से ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए यह अनिवार्य हो जाएगा कि वे धारा-प्रवाह मराठी बोलें और मराठी भाषा को पढ़ सकें। जो ड्राइवर इसमें फेल होंगे, उन्हें राज्य में टैक्सी या ऑटो नहीं चलाने दिया जाएगा। आगे से किसी ऐसे व्यक्ति को राज्य में इस काम की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिसमें भाषा संबंधी उपरोक्त क्षमता ना हो। राज्य सरकार के 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और उप-कार्यालय खास सत्यापन अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान देखा जाएगा कि ड्राइवर प्रभावी ढंग से मराठी बोलने, लिखने, और पढ़ने में सक्षम हैं या नहीं। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने कहा है कि जो ड्राइवर वेरिफिकेशन में फेल होंगे, उनके लाइसेंस और परमिट रद्द कर दिए जाएंगे। मगर, मुद्दा है कि क्या ऐसा करना वैधानिक है? किसी राज्य से लिया गया ड्राइविंग लाइसेंस पूरे भारत में मान्य होता है। ऐसे में, भाषा बोलने- पढ़ने की क्षमता के आधार पर किसी राज्य में उसकी मान्यता खत्म करना विवादास्पद एवं आपत्तिजनक सोच है। अगर ऐसी ही सोच से दूसरे राज्य भी प्रेरित हुए, तो मराठी भाषी सहित तमाम इलाकाई लोगों के लिए अन्य क्षेत्रों में मुश्किल खड़ी हो सकती है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक महाराष्ट्र में 65 से 70 प्रतिशत टैक्सी-ऑटो ड्राइवर अन्य राज्यों के हैं। वे वहां वर्षों से काम कर रहे हैं, तो जाहिर है कि वे आम जन से संवाद करने लायक भाषा जानते- समझते हैं। भाषा जानने और सीखने का संबंध काफी हद तक रोज-रोटी के तकाजों से जुड़ा होता है। देवेंद्र फड़णवीस सरकार इस बुनियादी बात की उपेक्षा कर रही है। अतः उचित होगा कि समाज को तोड़ने वाले इस कदम को वह वापस ले ले।

बंद कमरों की खामोशी में दर्ज एक यात्रा- कश्मीर की वादियों से लौटती हुई एक संवेदन

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

- भैया - भैया मेरी तन्द्रा टुट गई मेरे नजर तभी एक कश्मीरी महिला के मासुम चेहरे पर पड़ी-जिसके गोद में एक प्यारी सी मासून बच्ची थी जो अपनी माँ के मार्मिक आवाज में मासूम स्वर बोल रही थी - भैया - भैया कुछ दे दो-तभी मैने अपने अपनी जेब से 10 रु० नोट उसके हाथ में पकड़ा दिया - आदतन मै कभी भी किसी भीख माँगने वाले को कुछ नही देता हुँ तभी -पुनः महिला नें कारूणिक स्वर- जिसमें एक माँ की ममता- संवेदना व मजूबरी स्वर थे-भैया बच्ची भुखी है -कुछ खाने का दे दो

यात्राएँ केवल भौगोलिक दूरी का विस्तार नहीं होतीं, वे मनुष्य के भीतर बसे अनुभवों, संवेदनाओं और संघर्षों की भी परतेंखोलती हैं।29अप्रैल की संध्या से3 मई 2026 के बीच जम्मू तवी से प्रारम्भ होकर श्रीनगर तक पहुँची यह मीडिया यात्रा भी एक ऐसी ही बहुआयामी अनुभूति बन गई -जहाँ एक ओर बाहरी दुनिया का अद्भुत विस्तार था, वहीं दूसरी ओर भीतर चल रही थकान, असहजता और आत्म संवाद की गहरी परछाइयाँ भी थीं।यह यात्रा जितनी बाहर की थी, उससे कहीं अधिक भीतर की यात्रा बन गई।जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से इस यात्रा का वास्तविक आरंभ हुआ। यह स्थान केवल एक पड़ाव नहीं,बल्कि कई दिशाओं से आई यात्राओं का संगम था। दिल्ली और अन्य शहरों से अलग-अलग ट्रेनों के माध्यम से पहुँचे पत्रकारों के चेहरों पर थकान और उत्साह का एक साथ होना इस यात्रा की पहली झलक थी। किसी के पास कहानियाँ थीं, किसी के पास अपेक्षाएँ—और इन्हीं के बीच यह सफर धीरे-धीरे आगे बढ़ा,लेकिन हर यात्रा केवल उम्मीदों से नहीं चलती,वह शरीर और मन की सीमाओं को भी परखती है। श्रीनगर पहुँचते-पहुँचते मेरे भीतर यह सीमा स्पष्ट होने लगी।पहले हल्की थकान,फिर असहजता, और धीरे-धीरे एक गहरा शारीरिक कष्ट—यह सब इस यात्रा का हिस्सा बन गया।अनियमित दिनचर्या,भोजन का अभाव और लगातार चलने वाली गतिविधियों ने शरीर को कमजोर कर दिया।श्रीनगर—प्रकृति की गोद में बसा वह अद्भुत नगर, जहाँ हर दृश्य एक कविता की तरह खुलता है।डल झील की शांत जलराशि पर तैरते शिकारे जैसे समय को थाम लेते हैं। सुबह की किरणें जब जल पर उतरती हैं,तो लगता है जैसे आकाश और धरती एक-दूसरे से संवाद कर रहे हों।मुगलकालीन स्थापत्य के प्रतीक शालीमार बाग और निशांत वाग अपने भीतर इतिहास और प्रकृति का संतुलन समेटे हुए हैं।यहाँ की हरियाली, जलधाराएँ और सुव्यवस्थित उद्यान मानो उस समय की संवेदनशीलता को आज भी जीवित रखते हैं।चश्मे शाही का निर्मल जल, जिसकी शीतलता थके हुए मन और शरीर को राहत देती है, प्रकृति के उस स्पर्श का अनुभव कराता है जो बिना शब्दों के भी बहुत कुछ कह जाता है।वहीं हजरत बल सिने (Hazratbal Shrine) की पवित्रता और शांति मन को एक गहरे आध्यात्मिक अनुभव से भर देती है।

और लाल चौक यह केवल एक स्थान नहीं, .बल्कि जीवन की धड़कन है,जहाँ शहर अपने पूरे रंग और लय में साँस लेता है।इस समूचे सौंदर्य के बीच मेरी अपनी स्थिति एक अलग ही कहानी लिख रही थी।शारीरिक कष्ट के कारण मैं समूह से अलग पड़ गया।होटल के नियमों और परिस्थितियों ने मुझे एक सीमित दायरे में बाँध दिया।वह कमरा, जो विश्राम के लिए था,धीरे-धीरे एक बंद संसार में बदल गया। बाहर की वादियाँ पुकार रही थीं, लेकिन भीतर की थकान उस पुकार तक पहुँचने नहीं दे रही थी।आईने में चेहरा देखा तो थकान की लकीरें स्पष्ट दिखाई दे रही थीं—जैसे हर रेखा एक अनुभव को दर्ज कर रही हो। उस क्षण यह एहसास और गहरा हुआ कि एक पत्रकार होने के बावजूद, हर अनुभव को पूरी तरह जी पाना संभव नहीं होता।कुछ यात्राएँ केवल देखी नहीं जातीं, वे भीतर झेली भी जाती हैं।इसी खामोशी के बीच एक छोटा-सा क्षण एक नए द्वार की तरह सामने आया।जब मैं नाश्ते के लिए रेस्टोरेंट पहुँचा, तो होटल के एक कर्मचारी ने सहजता से कहा—"सर, आपके सभी लोग घूमने चले गए।" यह सुनकर एक क्षण के लिए भीतर एक खालीपन उतर आया। लेकिन उसी क्षण उसने एक और बात कही—"ड्राइवर है, आप भी घूम लीजिए।"यह प्रस्ताव जैसे बंद कमरे की खिड़की खुलने जैसा था। थोड़ी ही देर में एक ड्राइवर की व्यवस्था हुई और मैं अकेले श्रीनगर की सड़कों पर निकल पड़ा।यह यात्रा अब समूह की औपचारिकता से मुक्त होकर एक व्यक्तिगत अनुभव बन चुकी थी—मेरे और इस शहर के बीच एक सीधा संवाद।राज भवन श्रीनगर की गंभीरता, चश्मे शाही की ताजगी,और लाल चौक की हलचल—इन सबने उस थके हुए मन को एक नई ऊर्जा दी।यह अनुभव किसी आधिकारिक कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था, लेकिन इसने इस यात्रा को एक मानवीय आयाम दे दिया। इस दौरान मुझे श्री नगर मानवीय संवेदना की झलक दिखाई दी - शैने - शैने हमारी कारी आगे वढ़ रही थी तभी एक आवाज मेरी कान में पड़ी - भैया - भैया मेरी तन्द्रा टुट गई मेरे नजर तभी एक कश्मीरी महिला के मासुम चेहरे पर पड़ी - जिसके गोद में एक प्यारी सी मासून बच्ची थी जो अपनी माँ के मार्मिक आवाज में मासूम स्वर बोल रही थी - भैया - भैया कुछ दे दो - तभी मैने अपने अपनी जेब से 10 रु० नोट उसके हाथ में पकड़ा दिया - आदतन मै कभी भी किसी भीख माँगने वाले को कुछ नही देता हुँ तभी - पुनः महिला नें कारूणिक स्वर - जिसमें एक माँ की ममता - संवेदना व मजूबरी स्वर थे - भैया बच्ची भुखी है -कुछ खाने का दे दो तभी मैने अन्तर्मन के आवाज स्वीट क्रीम ब्रेड का पैकेट पकड़ा - उनकी आँखे-अन्तर्मन अनंत दुआ देती हुई-हम आगे वढ़ गयें ।इस यात्रा के दौरान अकेलेपन में भी एक संवाद था, एक आत्मीयता थी,जो शायद भीड़ में संभव नहीं थी।लेकिन यात्रा का संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ था।वापस लौटने पर जब थकान और अस्वस्थता फिर से गहराई,तब एक मानवीय स्पर्श ने इस पूरे अनुभव को एक नई संवेदना से भर दिया।विनोद भट्ट ने मेरे चेहरे की थकान को समझते हुए एक टैबलेट मेरे हाथ में थमाई और कहा -"दादा,आप चिंता न करें, आप स्वस्थ हो जाएंगे।"यह एक साधारण वाक्य था,लेकिन उस समय यह किसी बड़ी राहत से कम नहीं था।यह एहसास हुआ कि यात्रा में सबसे बड़ा सहारा स्थान नहीं, बल्कि इंसान होता है।इसी क्रम में मुझे मानवीय संवेदना का जीता जागता उदाहरण नजर आया है। वह नाम युवा सह यात्री अशोक शर्मा जी थे जो श्याद नार्दन रेलवे के स्टाफ /शोसल मीडिया टीम का नेतृत्व कर रहें है-अशोक जी तथा उनकी टीम के कई सम्मानित साथियों जो मेरे से पहली बार मिलें थे-आगे बढ़कर मेरी मदद की ।इस पूरी यात्रा में हालाकि सदस्यों के लिए व्हाटसएप बनायें गए थे लेकिन आयोजको द्वारा संवाद सम्प्रेषण -सहयोग व भोजन व्यवस्था का अभाव भी एक गहरी चुनौती रहा।समय पर सुचना ना मिलने -आपसी सहयोग -संवाद के सामंजस्य ना होने से नाश्ते, दोपहर और रात्रि भोजन की अनिश्चितता ने शरीर को और कमजोर कर दिया।यह केवल एक व्यक्तिगत कठिनाई नहीं थी,बल्कि एक बड़ा प्रश्न भी था-क्या व्यवस्थाओं में मानवीय आवश्यकताओं को पर्याप्त महत्व दिया जा रहा है?वापसी की यात्रा में जब मैं फिर जम्मू तवी होते हुए दिल्ली की ओर बढ़ा,तो यह मेरे लिए केवल एक वापसी नहीं थी,बल्कि एक आत्ममंथन था।अब वही रास्ते,वही स्टेशन और वही ठहराव एक नए अर्थ के साथ सामने आ रहे थे।हमारी यह पूरी यात्रा अंततः एक ऐसे कृतांत में बदल गई,जहाँ श्रीनगर का स्वर्गिक सौंदर्य और एक व्यक्ति की आंतरिक पीड़ा साथ-साथ चलती रही।एक ओर प्रकृति का अद्भुत विस्तार था,तो दूसरी ओर मन की थकान और संवेदनाओं का बोझ।कश्मीर की वादियों से लौटते हुए यह एहसास और गहरा हो गया कि किसी भी यात्रा की सच्चाई केवल उसके दृश्यों में नहीं,बल्कि उन अनुभवों में छिपी होती है,जो हमें भीतर से छू जाते हैं।शायद यही इस यात्रा का सार भी है-कि सबसे सुंदर स्थान भी तब अधूरा लगने लगता है,जब उसके साथ जुड़ी मानवीय संवेदनाएँ संतुलित न हों।बंद कमरों की वह खामोशी, शारीरिक कष्ट की वह असहनीय पीड़ा,बीच-बीच में मिले कुछ स्नेहिल मानवीय स्पर्श-इन सबने मिलकर इस यात्रा को केवल एक रिपोर्ट नहीं,बल्कि एक मार्मिक, जीवंत और लंबे समय तक स्मृतियों में रहने वाला अनुभव बना दिया।

विद्या मंदिरों में लगते ताले

संजय गोस्वामी

देश के लगभग 21 लाख छात्रों का भविष्य पिछले दिनों उस समय फिर दांव पर लग गया जबकि नीट अर्थात नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट की राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा, पेपर लीक हो जाने के कारण रद्द कर दी गयी। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए अर्थात नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इस मामले में स्वयं को ज़िम्मेदार मानते हुये परीक्षा रद्द करने की घोषणा की। पेपर लीक होने के चलते देश में पहले भी नीट परीक्षाएं रद्द हो चुकी हैं। इसके लिए ज़िम्मेदार कोई भी हो परन्तु इससे सबसे बड़ा नुक़्सान उस मेहनतकश विद्यार्थी को हुआ है जिसने दिन रात एक कर परीक्षा दी और परीक्षा के परिणाम सुनने के बजाये उन्हें परीक्षा के रद्द होने जैसी मनहूस ख़बर सुनाई दी। इस घटना के बाद एक बार फिर हमारे देश की विद्या यहाँ के विद्यार्थियों तथा विद्यालयों के भविष्य को लेकर चर्चा छिड़ गयी है। एक तरफ़ तो नीट परीक्षा देने वाले जीव विज्ञान,वनस्पति विज्ञान,प्राणी विज्ञान,रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान के वे छात्र जो भविष्य में डॉक्टर,वैज्ञानिक,इंजीनियर आदि बनकर देश की सेवा करना चाहते हैं,उनका भविष्य अधर में लटका दिखाई दे रहा है। तो दूसरी तरफ़ शिक्षा को लेकर सरकार का एजेंडा व उसकी प्राथमिकतायें भी कुछ और ही नज़र आ रही हैं। आज देश के विभिन्न राज्यों के विद्यालयों में अब भारतीय ज्ञान प्रणाली के नाम पर धर्म,अध्यात्म,कर्म काण्ड व पंडितों की शिक्षा दी जाने लगी है। यहाँ सरकारी और कुछ निजी स्कूलों में हिंदू धर्म, अध्यात्म, नैतिक मूल्यों, भारतीय ज्ञान प्रणाली और संबंधित ग्रंथों (जैसे भगवद्गीता, रामायण, वेद) की शिक्षा दी जा रही है और इससे संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह मुख्य रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत,मूल्य-आधारित शिक्षा, नैतिकता और सांस्कृतिक जागरूकता के नाम पर हो रहा है। हालांकि भारतीय संविधान (अनुच्छेद 28) सरकारी फ़ंड वाले स्कूलों में धार्मिक शिक्षा पर रोक लगाता है, लेकिन धर्मों के बारे में शिक्षा की अनुमति है जिसे आधार बनाकर धार्मिक शिक्षा दी जा रही है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ समर्थित व अन्य हिंदू संगठनों द्वारा संचालित स्कूलों में यह पहले से अधिक प्रचलित है। शिक्षा को लेकर हमारा देश इस समय एक ऐसे दुर्भागयपूर्ण दौर से गुज़र रहा है जबकि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर बैठे अनेक लोगों की शिक्षा, उनकी डिग्रियां असली हैं या नक़ली, विधान निर्माता शिक्षित है या अशिक्षित,इसतरह के सवाल उठ रहे हैं। उधर उच्च शिक्षा हासिल करने के लिये संपन्न लोग अपने बच्चों को पहले भी विदेश भेजा करते थे और आज भी भेजते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री व दुनिया के जाने माने अर्थशास्त्री स्व डॉ मनमोहन सिंह ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से 1957 में अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी ऑनर्स डिग्री हासिल की थी और ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय से 1962 में डी.फ़िल. की उपाधि ग्रहण की थी। पंडित जवाहरलाल नेहरू व राजीव गाँधी भी कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण,ज्योतिरादित्य सिंधिया,राहुल गांधी,जयराम रमेश ,पी. चिदंबरम,कपिल सिब्बल,सुब्रमण्यम स्वामी,जयंत सिन्हा,रतन टाटा, आनंद महिंद्रा जैसे अनेकानेक राजनेता उद्योगपति व प्रतिष्ठित लोग हारवर्ड,कैम्ब्रिज,ऑक्सफोर्ड या अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं। परन्तु हमारे प्रधानमंत्री की नज़रों में शायद इन विश्वविद्यालयों की डिग्रियों या यहाँ की पढ़ाई की उतनी अहमियत नहीं। तभी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2017 को उत्तर प्रदेश में एक चुनावी रैली के दौरान कहा था कि एक तरफ़ वे लोग हैं जो हार्वर्ड की बात करते हैं, और दूसरी तरफ़ एक ग़रीब का बेटा है, जो अपनी कड़ी मेहनत (Hard work) से अर्थव्यवस्था को सुधारने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्होंने तमिलनाडु में एक सभा में कहा था कि देश को विकास के लिए हार्वर्ड की नहीं, हार्ड वर्क की ज़रूरत है। प्रधानमंत्री के अनुसार हार्वर्ड वालों से ज़्यादा दम हार्ड वर्क वालों में है। ज़रा सोचिये कि क्या पढ़ाई करना हार्ड वर्क की श्रेणी में नहीं आता ? जो बच्चा परीक्षा की तैयारी के लिये दिन रात एक किये रहता है,खाना पीना नींद आराम सब कुछ छोड़कर रोज़ 16 -18 घण्टे पढ़ाई करता है वह क्या हार्ड वर्क नहीं है ? निश्चित रूप से शिक्षा के प्रति शीर्ष सत्ता के इसी मनोभाव की वजह से ही आज देश के विद्या मंदिरों पर घोर संकट छाया हुआ है। विगत 10 वर्षों के दौरान भारत में लगभग एक लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं। यह कुल सरकारी स्कूलों में लगभग 8% की कमी है। आज दुर्भाग्यवश देश में सरकारी स्कूल्स की संख्या बढ़ने के बजाये 11.07 लाख से घटकर क़रीब 10.17 लाख हो गयी है। जबकि शुद्ध व्यवसायिक मॉडल वाले मंहगे निजी स्कूलों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। ग़ौरतलब है कि देश के सरकारी स्कूल्स में प्रायः साधारण परिवारों या ग़रीबों के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं जिनमें अधिकांश संख्या एस सी ,एस टी,ओ बी सी व अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की होती है।

इनमें ज़्यादातर बच्चे किसानों,कामगारों व मेहनतकश मज़दूरों के होते हैं जो वास्तव में शिक्षा के हक़दार भी हैं और शिक्षा उनके भविष्य व जीविकोपार्जन के लिये बेहद ज़रूरी भी है। परन्तु सरकार की विद्या व विद्यालय विरोधी नीतियों के चलते देश में अब तक लगभग 65 लाख बच्चे स्कूल जाना छोड़ चुके हैं। सरकार द्वारा इस संबंध में यह तर्क दिया जाता है कि छात्रों की अपेक्षित संख्या न होने,संसाधन बचाने और बेहतर शिक्षा के कारण,इंफ्रास्ट्रक्चर व अध्यापकों की कमी या पोस्ट-कोविड प्रभाव कारण अनेक विद्यालयों का विलय पास पड़ोस के गांव में कर दिया गया है। जबकि उनकी दूरी 2 किलोमीटर से 8 किलोमीटर तक है। इतनी दूर बच्चों के स्कूल जाने के लिये न तो सरकार ने कोई उपाय किया है न ही अभिभावकों के पास कोई सामर्थ्य है। ख़ासकर अपनी बच्चियों को वैसे भी कोई मां बाप इतनी दूर के स्कूल नहीं भेजना चाहेगा। ऐसे में इस शिक्षा विरोधी सरकारी नीति के चलते बच्चों के अंधकारमय भविष्य का कौन ज़िम्मेदार है? ज़ाहिर है जब यह प्राथमिक शिक्षा ही हासिल नहीं कर सकेंगे तो यह भला हार्वर्ड कैसे जा सकेंगे।

और ऐसे में इन्हें प्रधानमंत्री की सलाह के अनुसार हार्ड वर्क यानी मेहनत मज़दूरी करके ही अपना जीवन यापन करना पड़ेगा। उधर दावा यह भी है कि भारत विश्व गुरु बनेगा। कुछ अति उत्साही लोग तो कह रहे हैं कि भारत विश्व गुरु बन चुका है। परन्तु लगता है कि वर्तमान सरकार केरल की औसत शिक्षा दर से डरी हुई है ? शायद वह समझ रही है कि आज जो बच्चा पढ़ेगा वही कल सत्ता से सवाल करेगा,अपनी शिक्षित बुद्धि का इस्तेमाल करेगा,तर्क वितर्क करेगा और कुतर्कों के झांसे में नहीं आएगा,अन्धविश्वास विरुद्ध अपनी आवाज़ बुलंद करेगा। शायद इसी वजह से देश के विद्या मंदिरों में ताले लगते जा रहे हैं।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। माता के स्वास्थ्य में पहले की अपेक्षा सुधार आयेगा और माताजी आज आपसे डिमांड कर सकती हैं। आज फाइनेंस के मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी ऐसे परिचित से भी मुलाकात होगी जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। परंतु अभी अधिक लाभ की उम्मीद ना रखकर पूरी तरह से मेहनत करें। और स्टाफ के साथ मित्रवत व्यवहार रखें।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियाँ लेकर आया है। आज आपको शुभ समाचार मिलने के योग नजर आ रहे हैं। आज उचित व्यवस्था हो जाने के बावजूद मन में कुछ परेशानी बनी रहेगी, अपना मनोबल मजबूत रखें। आज आय के साथ-साथ खर्चे भी बढ़ सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति पर भरोसा करके उसके प्रति निर्णय लेने वाले हैं, तो उचित सोच विचार करना जरूरी है।

मिथुन राशि: आज का आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। अगर आप नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो घर में बात करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपको अपने प्रयासों और परिश्रम के उचित से परिणाम हासिल होंगे। नौकरी कर रहे लोगों को महत्वपूर्ण कार्यभार की जिम्मेदारी दे जा सकती है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके शानदार रहने वाला है। आज आपके लिए व्यावसायिक मामलों में परिस्थितियों के अनुसार व्यवस्था बनाए रखना जरूरी होगा। अपने संपर्कों को और अधिक मजबूत करें, इससे अच्छे अनुबंध मिल सकते हैं। सरकारी दफ्तर में सेवारत लोगों को अपने काम के प्रति आज वफादार रहने की जरूरत है। आज पति-पत्नी के बीच उचित सामंजस्य रहेगा। बच्चों के लिए मनोरंजक प्रोग्राम भी बन सकता है।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर में माहौल खुशनुमा रहेगा। कुछ समय अपने लिए जरूर निकालें। आज व्यवसाय को लेकर की गई मेहनत आपकी तरक्की के द्वार खोलने वाली है। सहकर्मियों के साथ संबंध अच्छा रखें। पार्टनरशिप संबंधी व्यवसाय में आपसी तालमेल में कुछ दिक्कतें आ सकती हैं।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज कुछ ऐसे विचार आ सकते हैं जो वाकई उम्दा होगे। आज आपका का दिन प्रसन्नता और स्फूर्ति से भरा रहेगा। परिवार जनों के साथ किसी विशेष मुद्दे को लेकर सकारात्मक वार्तालाप भी होगा। आपकी योग्यता और काबिलीयत की समाज और रिश्तेदारों के बीच सराहना होगी।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। बडे-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे,। आज अपने व्यक्तिगत जीवन से जुड़ा फैसला लेने का अनुकूल समय है। आपकी निपुणता और योग्यता लोगों के सामने आएगी। लाभदायक समय बना हुआ है। आपके नेतृत्व में सोसाइटी संबंधित विशेष गतिविधि पूरी होगी। बच्चों की किसी उपलब्धि से आप गर्वित महसूस करेंगे। किसी भी तरह के निराशाजनक विचारों को स्वयं पर हावी न होने दे।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज अपने संपर्क बढ़ाने पर जोर देंगे यह आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। आज कुछ पुरानी समस्या का समाधान मिल जाने से मानसिक रूप से बहुत ही सुकून और राहत मिलेगी। विद्यार्थियों को भी अपने किसी उपलब्धि से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी क्रिएटिविटी सराहनीय रहेगी।

धनु राशि: आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है। आज किसी विशेष काम को लेकर किए गए प्रयासों का प्रतिफल आपको मिलने वाला हैं। उधार दिया हुआ अथवा फसा हुआ पैसा भी मिल सकता है। अध्ययनरत युवाओं को प्रोफेशनल पढ़ाई में उचित सफलता मिल सकती है। अगर घर परिवर्तन संबंधी योजना बना रहें हैं, तो आज उस पर अमल अवश्य करें।

मकर राशि: आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा अवश्य बनाये। साथ ही नकारात्मक चीज़ों से अपने आपको बचाने की कोशिश करें। अगर मन में कोई भी समस्या चल रही है तो जीवनसाथी या अनुभवी लोगों से विचार विमर्श करने से जरूर समाधान मिलेगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं, यह यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज आप सक्रिय और सकारात्मक रहने तथा योजनाबद्ध तरीके से दिनचर्या व्यवस्थित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक सेवार्थ में दिन का अधिकतर समय बीतेगा। साथ ही महत्वपूर्ण लोगों से लाभदायक संपर्क भी बनेंगे।

मीन राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। पिछले कुछ समय से चल रहे तनाव से आज राहत आपको मिलेगी। अनुभवी लोगों के सानिध्य से आपको कुछ सकारात्मक अनुभव मिलेंगे। अपने कठिन परिश्रम से आज अपने कार्यक्षेत्र में उद्देश्य को पूर्ण कर लेंगे। और सामाजिक कामों में आपका रुतबा रहेगा। घर में संबंधियों की आवाजाही से खुशनुमा माहौल बनेगा। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी।

नीट पेपर लीकः शिक्षा व्यवस्था पर कलंक, टूटते सपने और व्यवस्था की भयावह विफलता

कांतिलाल मांडोत

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल एक परीक्षा नहीं होतीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के भविष्य, परिवारों की उम्मीदों और वर्षों की मेहनत का परिणाम होती हैं। मेडिकल जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्र में प्रवेश पाने के लिए छात्र दिन-रात मेहनत करते हैं। कई छात्र गांवों की कठिन परिस्थितियों से निकलकर, आर्थिक अभाव झेलकर और मानसिक दबाव सहकर परीक्षा की तैयारी करते हैं। ऐसे में जब नीटजैसी राष्ट्रीय परीक्षा में पेपर लीक, सॉल्वर गैंग और करोड़ों की डील का खुलासा होता है, तो यह केवल एक परीक्षा घोटाला नहीं रह जाता, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न बन जाता है। भारत पहले भी कई बड़े पेपर लीक घोटाले देख चुका है। उत्तर प्रदेश शिक्षक भर्ती परीक्षा, रेलवे भर्ती परीक्षा, राजस्थान शिक्षक भर्ती, मध्यप्रदेश व्यापमं घोटाला और 2024 के नीट विवाद ने पहले ही युवाओं का भरोसा कमजोर कर दिया था। 2024 में बिहार और झारखंड में पेपर लीक के आरोप सामने आए थे। कई गिरफ्तारियां हुईं, लेकिन तब भी पूरी परीक्षा रद्द नहीं हुई। छात्रों के मन में यह सवाल रह गया कि क्या मेहनत का कोई मूल्य बचा है? अब 2026 में फिर वही कहानी सामने आई है, लेकिन इस बार मामला और भी गंभीर दिखाई देता है। नीट 2026 परीक्षा रद्द होने के पीछे बिहार और राजस्थान से सामने आए खुलासों ने पूरे देश को झकझोर दिया। बिहार के नालंदा में पुलिस ने जिस सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़ किया, उसने यह साबित कर दिया कि परीक्षा माफिया कितनी गहराई तक अपनी जड़ें जमा चुका है। 50 से 60 लाख रुपये में एक सीट की डील होना केवल अपराध नहीं, बल्कि शिक्षा के व्यवसायीकरण का भयावह चेहरा है। यह गिरोह असली अभ्यर्थियों की जगह सॉल्वर बैठाने की तैयारी कर रहा था। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इसका मास्टरमाइंड एक मेडिकल कॉलेज का छात्र निकला। जिस युवा को भविष्य में डॉक्टर बनकर लोगों की जान बचानी थी, वही शिक्षा व्यवस्था को संक्रमित करने में लगा था। राजस्थान में सामने आए "हाथ से लिखे गेस पेपर" ने इस पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया। जांच में पता चला कि परीक्षा से पहले छात्रों तक ऐसे प्रश्न पहुंच चुके थे, जिनमें से बड़ी संख्या असली परीक्षा में आई। यदि यह केवल संयोग माना जाए, तब भी इतने बड़े स्तर पर सवालों का मिलान होना सामान्य नहीं कहा जा सकता। इससे यह आशंका और मजबूत हो जाती है कि परीक्षा प्रणाली के भीतर कहीं न कहीं गंभीर सेंध लगी है। सबसे बड़ा नुकसान उन लाखों छात्रों का हुआ है जिन्होंने ईमानदारी से तैयारी की थी। करोड़ों परिवारों ने अपने बच्चों को कोचिंग दिलाने के लिए जमीन बेची, कर्ज लिया और अपनी जरूरतों को त्याग दिया। कई छात्र दिन में 12-14 घंटे पढ़ाई करते हैं। वे सामाजिक जीवन छोड़ देते हैं, मनोरंजन छोड़ देते हैं और केवल एक लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं। लेकिन जब परीक्षा रद्द होती है, तो उनकी महीनों की मेहनत और मानसिक संतुलन दोनों पर गहरा आघात पड़ता है। एक छात्र की मानसिक स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। परीक्षा की तैयारी पहले ही तनाव, चिंता और भय से भरी होती है। छात्र लगातार तुलना, प्रतियोगिता और असफलता के डर में जीते हैं। जब पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो उनके भीतर यह भावना जन्म लेती है कि मेहनत से ज्यादा महत्व पैसे और पहुंच का है। यह भावना युवाओं को भीतर से तोड़ देती है। कई छात्र अवसाद में चले जाते हैं। कुछ खुद को असफल मानने लगते हैं। कई बार यही मानसिक दबाव आत्मघाती विचारों तक पहुंच जाता है। 2020 में मध्यप्रदेश की छात्रा विधि सूर्यवंशी का मामला आज भी लोगों को झकझोरता है। गलत रिजल्ट आने के बाद उसने आत्महत्या कर ली थी, जबकि बाद में ओएमआर जांच में उसके अंक कहीं अधिक निकले। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि परीक्षा संबंधी त्रुटियां केवल तकनीकी गलती नहीं होतीं, बल्कि किसी परिवार के जीवन का विनाश बन सकती हैं। जब एक छात्र वर्षों की मेहनत के बाद भी व्यवस्था पर भरोसा नहीं कर पाता, तो यह केवल व्यक्तिगत दुख नहीं, बल्कि राष्ट्रीय असफलता है। नीट परीक्षा रद्द होने से प्रशासनिक और आर्थिक नुकसान भी बहुत बड़ा हुआ है। देशभर में लाखों छात्रों के लिए परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। सुरक्षा व्यवस्था, परिवहन, प्रश्नपत्र छपाई, निगरानी, तकनीकी प्रबंधन और कर्मचारियों की तैनाती पर करोड़ों रुपये खर्च हुए। अब दोबारा परीक्षा कराने में फिर उतना ही खर्च होगा। यह पैसा आखिरकार जनता के टैक्स से आता है। यानी भ्रष्टाचार और लापरवाही का बोझ अंततः देश की जनता ही उठाती है। इतने बड़े स्तर पर परीक्षा आयोजित होने के बावजूद यदि पेपर लीक, सॉल्वर गैंग और फर्जीवाड़ा रोका नहीं जा सका, तो यह हमारी प्रशासनिक निगरानी की गंभीर विफलता को दर्शाता है। प्रश्न यह उठता है कि जब डिजिटल निगरानी, बायोमेट्रिक सिस्टम और साइबर सुरक्षा जैसे आधुनिक साधन मौजूद हैं, तब भी परीक्षा माफिया इतनी आसानी से सक्रिय कैसे हो जाते हैं? क्या व्यवस्था के भीतर कहीं मिलीभगत है? क्या निगरानी एजेंसियां केवल औपचारिकता निभा रही हैं? यदि हर वर्ष ऐसी घटनाएं दोहराई जा रही हैं, तो इसका अर्थ है कि सुधार केवल कागजों तक सीमित हैं। यह स्थिति देश की प्रतिभा के लिए भी खतरनाक है। जब योग्य छात्र निराश होकर पीछे हटने लगते हैं और धनबल या अपराध के जरिए लोग आगे बढ़ने लगते हैं, तब पूरे समाज की गुणवत्ता प्रभावित होती है। चिकित्सा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में यदि गलत तरीके से प्रवेश पाने वाले छात्र डॉक्टर बनेंगे, तो इसका असर सीधे जनता की जान पर पड़ेगा। एक अयोग्य डॉक्टर केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि अनगिनत जिंदगियों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। आज आवश्यकता केवल दोषियों की गिरफ्तारी की नहीं, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली के पुनर्गठन की है। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर वितरण तक हर स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। परीक्षा केंद्रों की निगरानी पूरी तरह तकनीक आधारित होनी चाहिए। पेपर तैयार करने वाले विशेषज्ञों और प्रिंटिंग सिस्टम की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय स्तर की होनी चाहिए। साथ ही, ऐसे मामलों में त्वरित न्याय और कठोर दंड भी जरूरी है, ताकि भविष्य में कोई इस तरह के अपराध का साहस न कर सके। सरकार और एजेंसियों को यह समझना होगा कि हर बार परीक्षा रद्द कर देना समाधान नहीं है। इससे छात्रों का विश्वास और कमजोर होता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले अकेले अभ्यास करते दिखे हार्दिक पांड्या

एजेंसी, मुंबई

मुम्बई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। टीम को अब गुरुवार को बचे हुए लीग मैच में पंजाब किंग्स से खेलना है। मुम्बई की टीम इस मैच में जीत के साथ ही अपना खोया मनोबल हासिल करने का प्रयास करेगी। टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी इस सत्र में अच्छा नहीं रहा और वह आलोचकों के निशाने पर हैं। पांड्या फिट नहीं होने के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे। अब उनका लक्ष्य गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। इसी को देखते हुए पांड्या अकेले ही नेट्स में अभ्यास करते दिखे। इससे साफ है कि वह पंजाब के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। इससे टीम और प्रशंसकों के बीच उम्मीदें जगी हैं। हालांकि फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। पांड्या ने अभ्यास का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी कर अपने फिट होने के संकेत दिये हैं। हार्दिक इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। पीठ की समस्या के कारण उनकी अनुपस्थिति ने टीम के संतुलन और प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया है, खासकर जब टीम इस सीजन में लगातार संघर्ष कर रही है। अब, पंजाब किंग्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उनके नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास करते हुए देखा जाना उनके फिटनेस हासिल करने का एक सकारात्मक संकेत है।

मुंबई पहले ही आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, जिसके बाद टीम के भीतर और बाहर कई सवाल उठे हैं। इन हालातों के बीच, पांड्या ने टीम के भविष्य और रणनीति पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आना तय है। जब सीजन खत्म हो जाएगा, तब सही समय होगा कि क्या गलत हुआ, इसका सही आकलन किया जाए। लेकिन इस समय मेरी राय है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपनी पूरी कोशिश की है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाला यह मैच मुंबई इंडियंस के लिए अंक तालिका में केवल एक औपचारिकता है। मुंबई का लक्ष्य अब सम्मानजनक प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान का अंत करना होगा, जिससे अगले सीजन के लिए एक मजबूत नींव रखी जा सके। दूसरी ओर, चार लगातार हार झेल चुकी सैम कुरेन की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है।

सीएसके टीम के साथ लखनऊ जाएंगे धोनी, टिकट हुआ बुक : कासी विश्वनाथन

सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में उतरने की संभावना

एजेंसी, मुम्बई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं खेला है पर वह शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले मैच में खेल सकते हैं। इसका अंदाजा घोनी के टीम के साथ उड़ान भरने को लेकर लगाया जा रहा है। ऐसे में अगर वह खेलते हैं तो इस सत्र में उन्हें खेलते हुए देखने का प्रशंसकों का सपना पूरा हो सकता है। धोनी फिट न होने के कारण शुरुआत से ही बाहर हैं। धोनी अपनी शानदार फिनिशिंग और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं, पिंडली की चोट के कारण वह पूरे सीजन से बाहर रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके के प्रशंसकों को निराश हुई है। प्रशंसक उन्हें एक बार फिर खेलते हुए देखना चाहते हैं। फैंस की चाहत है कि अगर वो मैदान पर नहीं उतर सकते तो कम से कम टीम के किसी मैच में मौजूद रहें। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ कासी विश्वनाथन ने भी कहा है कि धोनी का लखनऊ के लिए टिकट बुक है। टीम शुक्रवार रात को एलएसजी से खेलने वाली है और इसमें धोनी की मौजूदगी से टीम का मनोबल बढ़ेगा। सीएसके इस समय प्लेऑफ की दौड़ में है और अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनाने का प्रयास कर रही है। साल की खराब शुरुआत के बाद टीम ने लगातार तीन जीत दर्ज की हैं, जिससे उनकी स्थिति मजबूत हुई है। ऐसे में धोनी के साथ होने से टीम को मनोबल बढ़ेगा। यदि धोनी मैदान पर उतरते हैं, तो उनकी बल्लेबाजी सीएसके के निचले क्रम को मजबूती देगी और इसके साथ ही कप्तानी को भी अच्छा मार्गदर्शन मिलेगा।

टी20 क्रिकेट में बल्लेबाज हो रहे हावी, गेंदबाजों को करने होंगे बदलाव : द्रविड़

एजेंसी, डबलिन

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि आजकल के क्रिकेट जिस दौर में पहुंच गया है वहां बल्लेबाज हावी नजर आते हैं और गेंदबाजों की भूमिका उनके मुकाबले कमजोर नजर आती है। द्रविड़ के अनुसार इस प्रकार के हालातों में अपना दबदबा फिर से बनाने के लिए गेंदबाजों को अपने में बदलाव करना होगा। तभी वे बदलते हुए दौर में टिक पायेंगे। इस पूर्व कप्तान मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजों ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है, जबकि गेंदबाज अभी भी उस स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

डबलिन में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान द्रविड़ ने कहा कि टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी का स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। साथ ही कहा, पिछले दो-तीन साल में बल्लेबाजी में जिस तरह का बदलाव आया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि गेंदबाजों को उस स्तर तक पहुंचने के लिए अब काफी मेहनत करनी होगी। द्रविड़ ने विशेष रूप से युवा भारतीय बल्लेबाजों की भी प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन लोगों ने पावरप्ले में बल्लेबाजी के अंदाज को ही बदल दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, आयुष मात्रे और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ियों का जिक्र किया, जो अब मैदान के हर हिस्से में बड़े शॉट खेलते हैं।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटा दिया जाना चाहिये : मांजरेकर

एजेंसी, मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसे हटा दिया जाना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार इस नियम से खिलाड़ियों के ऑलराउंड विकास में बाधा आ रही है क्योंकि खिलाड़ी एक ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नियम के तहत ज्यादातर खिलाड़ियों को बल्लेबाज के रूप में रखा जाता है। जिससे उनको केवल बल्लेबाजी का ही अनुभव होता है जबकि खेल में सभी क्षेत्रों का अनुभव होना जरुरी है। इससे पहले भी कई दिग्गजों ने स नियम पर सवाल उठाये थे। अधिक लोगों का मानना है कि यह नियम मुख्य रूप से बल्लेबाजों को ही फायदा पहुंचा रहा है और खेल में संतुलन बिगाड़ रहा है। मांजरेकर ने कहा, मैं अब यह सोचने लगा हूं कि हमें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम समाप्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे किसी भी बल्लेबाज का एक ही पक्ष सामने आता है।वहीं एक क्रिकेटर केवल बल्लेबाजी नहीं क्योंकि उसे फील्डिंग भी करनी होती है। मांजरेकर ने कहा कि खेल का असली दबाव और उसकी समझ मैदान पर फील्डिंग करने से ही आती है।

जीत से उत्साहित शुभमन बोले हालातों के अनुसार बनाते हैं रणनीति

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 मुकाबले में मिली जीत पर खुशी जतायी है। शुभमन ने कहा कि टीम को ये शानदार जीत गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन से मिली है। गुजरात ने जिस प्रकार से इस सत्र में उतार-चढ़ाव के बाद शीर्ष पर स्थान बनाया है उससे भी प्रशंसकों ने उसकी सराहना की है। वहीं शुभमन ने कहा कि उनकी टीम ने किसी खासा शैली को नहीं अपनाया है, उनकी टीम हालातों के अनुसार रणनीति बनाती है। इसी के साथ ही गुजरात ने लगातार पांचवां मुकाबला जीता। मैच के बाद शुभमन ने कहा, हमें अच्छी तरह पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर बनाना काफी कठिन होगा और उसका बचाव करना उससे भी मुश्किल रहेगा। हमारे गेंदबाजों ने इस दौरान जबरदस्त खेल दिखाया। हमने मैच से पहले अपनी गेंदबाजी रणनीति को लेकर एक स्पष्ट योजना बनाई थी, जिसपर अमल करने में हम सफल रहे। विशेष रूप से देखा जाये तो हमारी गेंदबाजी बेहतीन रही। उन्होंने बल्लेबाजों साई सुदर्शन 61 और वाशिंगटन सुंदर 50 के अर्धशतकों की भी प्रशंसा की है। शुभमन के अनुसार इन शानदार पारियों से ही टीम 170 रन के अच्छे स्कोर तक पहुंची। साथ ही कहा, उनके बिना, 170 तक पहुंचना वाकई मुश्किल होता। अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंचने के बारे में कप्तान ने बताया कि यह लगातार अच्छे प्रदर्शन से संभव हुआ है।

बिजनेस

वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत : गोयल

गोयल ने कहा, वैश्विक संकट के समय भारतीय अर्थव्यवस्था ने दिखाया लचीलापन

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती बनाए रखी है, जिसका श्रेय इसके मजबूत बुनियादी सिद्धांतों और भारत में बढ़ते वैश्विक विश्वास को जाता है।

नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते उन्होंने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल, महंगाई और बदलते व्यापार शुल्कों के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मज़बूती दिखा रही है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के तौर पर भारत अपनी गति को मजबूत घरेलू मांग, 11 महीने से ज्यादा के आयात को कवर करने वाले मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़े प्रयासों के जरिए अपने को बनाए हुए है। भारत के निर्यात प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश इस साल लगभग 863 अरब अमेरिकी डॉलर का सर्वकालिक उच्च निर्यात आंकड़ा हासिल करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वस्तुओं और सेवाओं में भारत का व्यापार घाटा देश के वार्षिक प्रेषण से काफी कम है, जो मजबूत आर्थिक प्रदर्शन को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार संकटों को अवसरों में बदला है। उन्होंने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान देश हमेशा मजबूत बनकर उभरा है। गोयल ने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति को भारत के अधिक कुशल, उत्पादक और आत्मनिर्भर बनने के लिए एक चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए। आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भरता और भारतीय क्षमताओं में विश्वास का सिद्धांत लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार और उद्योग को भारत की विकास गाथा को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने उबर के सीईओ से ड्राइवरों को ईवी में बदलाव का समर्थन करने का आग्रह किया

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को उबर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दारा खोसरोशाही के साथ मुलाकात में ड्राइवरों और मालिकों को अपने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में बदलने के लिए समर्थन देने का आग्रह किया। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि उन्होंने राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म उबर से आग्रह किया है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ गतिशीलता पर जोर देने के अनुरूप इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने में ड्राइवरों और मालिकों का समर्थन करें। उबर सीईओ से मुलाकात पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, "वह मुझसे मिलने आए थे। मैंने उन्हें दो बातें बताई हैं। सबसे बड़े नेटवर्क में से एक होने के नाते, मैंने अनुरोध किया है और जोर दिया है कि उन्हें उबर के ड्राइवरों और मालिकों को इसे ईवी वाहनों में बदलने के लिए समर्थन करना चाहिए...।"

सेल अधिकारियों के लिए विदेश में नौकरी का मौका, 31 मई तक सेल के इच्छुक कर सकते है आवेदन

एजेंसी, कोलकाता

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में कार्यरत अधिकारियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने का सुनहरा अवसर सामने आया है। सेल की संयुक्त उद्यम कंपनी इंटरनेशनल कॉल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (आईबीसीएल) में प्रतिनियुक्ति के आधार पर अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 31 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया साक्षात्कार के माध्यम से पूरी होगी।

कंपनी द्वारा प्रबंधक (परिचालन) और प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) पदों पर चार वर्षों के लिए नियुक्ति की जाएगी। इस अवसर के लिए इस्को स्टील प्लांट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, बोकारो स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट, भिलाई स्टील प्लांट सहित सेल की विभिन्न इकाइयों में कार्यरत प्रबंधन से लेकर सहायक महाप्रबंधक स्तर तक के अधिकारी आवेदन कर सकेंगे।

योग्यता की बात करें तो प्रबंधक (परिचालन) पद के लिए उम्मीदवार के पास मान्यता प्राप्त संस्थान से इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री होना आवश्यक है। वहीं प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) पद के लिए सीए या आईसीडब्ल्यूए की योग्यता अनिवार्य रखी गई है। अधिकतम आयु सीमा 56 वर्ष निर्धारित की गई है।

आईबीसीएल का प्रमुख परिचालन केंद्र मोजांबिक में स्थित है, जहां कंपनी कोयला खदानों के अधिग्रहण और कोकिंग कोयले के खनन का कार्य करती है। इस प्रतिनियुक्ति के माध्यम से भारतीय अधिकारियों को विदेशी परियोजनाओं में काम करने का अनुभव मिलेगा।

वहीं दूसरी ओर, सेल के मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट रांची (एमटीआई) में भी सात प्रशिक्षण पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है। इन पदों में परियोजना प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, निर्णय प्रबंधन और तकनीकी प्रबंधन शामिल हैं। तकनीकी प्रबंधन के लिए चार पद जबकि अन्य तीन क्षेत्रों के लिए एक-एक पद निर्धारित किए गए हैं।

इन पदों के लिए कंपनी में कार्यरत प्रबंधक से लेकर उप महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी आवेदन कर सकते हैं। अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष तय की गई है। इच्छुक उम्मीदवारों को 25 मई 2026 तक अपने इकाई प्रमुख के माध्यम से आवेदन एमटीआई रांची में जमा करना होगा। चयन साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा।

गौरतलब है कि एमटीआई रांची में अधिकारियों के लिए नेतृत्व विकास, प्रबंधन कौशल और आधुनिक औद्योगिक प्रक्रियाओं से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं, जो कार्यकुशलता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

सोने पर शुल्क बढ़ाने से आयात नहीं घटेगा बल्कि कीमतें बढ़ेंगी : जीजेईपीसी

एजेंसी, नई दिल्ली

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने बुधवार को कहा कि सोने पर आयात शुल्क बढ़ाने से आयात पर अंकुश नहीं लगता, बल्कि कीमतें बढ़ती हैं। परिषद ने इसके स्थायी समाधान के लिए केंद्र सरकार से उद्योग के हितधारकों के साथ बातचीत करने की अपील की है। जीजेईपीसी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि आयात शुल्क बढ़ाने से शायद ही कभी सोने का आयात घटता है। यह केवल कीमतें बढ़ाता है। हाल के समय में सोने की कीमतें दोगुनी होने के बावजूद आयात उसी अनुपात में नहीं घटा है। परिषद के अनुसार उच्च शुल्क तस्करी को बढ़ावा देते हैं और निर्यात लागत बढ़ाते हैं। वहीं, निर्यातकों को अब नामित एजेंसियों से शुल्क-मुक्त सोना खरीदने पर प्रति किलोग्राम 28-30 लाख रुपये की बैंक गारंटी देनी पड़ रही है, जिससे कार्यशील पूंजी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। जीजेईपीसी ने बताया कि इसका सबसे गंभीर असर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) विनिर्माताओं पर पड़ेगा। बयान में कहा गया है कि परिषद में ऐसे 80 फीसदी सदस्य हैं जो ''गंभीर नकदी संकट'' का सामना कर रहे हैं। सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह फीसदी से बढ़ाकर आज 15 फीसदी कर दिया। प्लैटिनम पर कर 6.4 फीसदी से बढ़ाकर 15.4 फीसदी कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप सोने/चांदी के डोरे, सिक्के, अन्य वस्तुएं आदि पर भी कर में बदलाव किए गए हैं।

सोना-चांदी पर आयात शुल्क अब 15 फीसदी

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच रुपये को सहारा देने के लिए सरकार ने सोना और चांदी पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है। ये दरें बुधवार से प्रभावी हो गई हैं। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में मंगलवार देररात अधिसूचना जारी की । इसके अनुसार, सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर 10 फीसदी मूल सीमा शुल्क और 5 फीसदी कृषि अवसंरचना और विकास उपकर लगाया है। इससे प्रभावी आयात कर 6 फीसदी से बढ़कर 15 फीसदी हो गया है। यह दरें 13 मई से लागू हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना 16/2026 में सीमा शुल्क के माध्यम से कीमती धातुओं और उनसे बनी चीजों (निष्कर्ष) के लिए सीमा शुल्क दरों को अपडेट किया है। अधिसूचना के मुताबिक, सोना और चांदी से बनी चीजों पर पांच फीसदी शुल्क लगेगा, जबकि प्लैटिनम से बनी चीजों पर यह दर 5.4 फीसदी होगी। इसके अलावा कीमती धातुओं से बने इस्तेमाल हो चुके कैटेलिस्ट पर 4.35 फीसदी शुल्क निर्धारित किया गया है, बशर्ते संबंधित अनुपालन मानदंडों को पूरा किया जाए।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 138 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर घरेलू शेयर बाजार पर पड़ा है। हालांकि, सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। फिलहाल, बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक में तेजी दिख रही है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 137.64 अंक यानी 0.18 फीसदी की उछाल के साथ 74,696.88 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 66.25 अंक यानी 0.28 फीसदी की तेजी के साथ 23,445.80 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पावर ग्रिड, टाइटन और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। हालांकि, एशियन पेंट्स, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में तेजी दर्ज की गई। इसी तरह एशियाई शेयर बाजारों दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहा है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 106.6 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि घरेलू शेयर बाजार में कल लगातार चाथे कारोबारी सत्र में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 1,456 अंक गिरकर 74,559 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 436 अंक की गिरावट के साथ 23,379 के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले 4 दिन में सेंसेक्स करीब 3,500 अंक और निफ्टी लगभग 1,000 अंक गिरा है।

फिल्म चांद मेरा दिल का ट्रेलर जारी, प्यार और तड़प के बीच उलझी अनन्या-लक्ष्य की कहानी

चांद मेरा दिल के मेकर्स ने रोमांटिक ड्रामा का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा ट्रेलर रिलीज किया. इस ट्रेलर में दर्शकों को एक ऐसी इमोशनल लव स्टोरी की झलक देखने को मिली, जो जुनून, हार्ट ब्रेक और सेंसिटिव इमोशन से भरा है. अनन्या पांडे और लक्ष्य मुख्य भूमिकाओं में नजर आए है. यह फिल्म आज के जमाने के एक ऐसे रोमांस को दिखाती है जो लोगों से रिलेट कर सकती है. मेकर्स ने चांद मेरा दिल का ट्रेलर लॉन्च किया और इसे इंस्टाग्राम पर अपलोड किया. मेकर्स ने ट्रेलर को साझा करते हुए इसे एक दिल छू लेने वाला कैप्शन दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा है, एक लव स्टोरी जो न तो परफेक्ट है, न ही प्लान की हुई, बस थोड़ी सी रियल है. चांद मेरा दिल – ट्रेलर अब रिलीज हो गया है. 22 मई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में. चांद मेरा दिल का ट्रेलर 2 मिनट 54 सेकंड का है. इसकी शुरुआत अनन्या पांडे और लक्ष्य के किरदार से होती है, जिसमें लक्ष्य का किरदार अनन्या के किरदारे से किसी चीज के लिए माफी मांगता है और अपनी गलती पर पछताते हुए नजर आता है. फिल्म में लक्ष्य ने आरव और अनन्या ने चांदनी का किरदार निभाया है. इसके बाद, ट्रेलर में दोनों के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है. दर्शकों को उनके कॉलेज के दिनों में ले जाया जाता है, जहां उनकी लव स्टोरी पहली बार परवान चढ़ती है. उनकी केमिस्ट्री और जवानी का रोमांस ही इस ट्रेलर का केंद्र है. हालांकि, जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, कहानी में ट्विस्ट आता है. दोनों के बीच एक ऐसी बात होती है जो उनकी लव स्टोरी को परफेक्ट होने से रोकती है और यह साफ तौर पर आरव की गलतियों की वजह से है. एक ऐसी गलती जिसके लिए उसकी अपनी बहन भी उसे पूरी तरह माफ़ नहीं कर पाती. लेकिन वह गलती है क्या? ट्रेलर इस टकराव के इर्द-गिर्द बड़ी चालाकी से घूमता है, बिना कहानी के आगे के राज खोले. यह कपल के बीच एक बड़े झगड़े की ओर इशारा करता है, जिससे चांदनी का दिल टूट जाता है, जबकि आरव उसे वापस पाने की पूरी कोशिश करता हुआ दिखाई देता है. पूरे ट्रेलर में किरदारों के बीच का तनाव साफ दिखाई देता है. ट्रेलर का अंत एक खूबसूरत लाइन के साथ होती है, जिसमें आरव, चांदनी से कहता है, तू सच में चांद है यार, नूर भी, गुरूर भी और दूर भी. धर्मा प्रोडक्शंस के सहयोग से बनी इस फिल्म को करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा और मारिज्के डिसूजा ने प्रोड्यूस किया है. इसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है, जिन्होंने इससे पहले नेटफ्लिक्स फिल्म मीनाक्षी सुंदरेश्वर का निर्देशन किया था. इस फिल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे. फिलहाल चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए है.

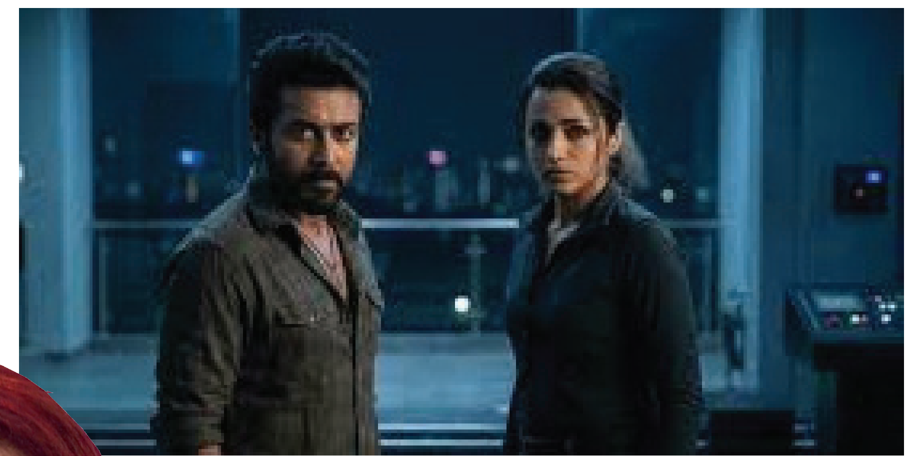

14 मई को रिलीज होगी तृषा कृष्णन की करुप्पु

तमिल सिनेमा की अभिनेत्री तृषा कृष्णन बहुप्रतीक्षित फिल्म करुप्पु का धमाकेदार ट्रेलर जारी किया गया। इस फिल्म में अभिनेता सूर्या मुख्य भूमिका में हैं, जबकि आरजे बालाजी ने न केवल इसका निर्देशन किया है, बल्कि खलनायक के किरदार में भी नज़र आएंगे। फिल्म 14 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। करुप्पु एक एक्शन से भरपूर कोर्टरूम ड्रामा है, जो एक लंबे समय से लंबित और उपेक्षित पड़े मामले पर आधारित है। ट्रेलर में कानूनी लड़ाई, तीव्र संवाद और दमदार एक्शन दृश्यों का मिश्रण देखने को मिलता है, जो दर्शकों को न्याय और प्रतिशोध के गहन विषय से रूबरू कराएगा। फिल्म का निर्देशन आरजे बालाजी ने बड़ी कुशलता से किया है, जिन्होंने कहानी को दिलचस्प बनाने के लिए हर पहलू पर ध्यान दिया है। ट्रेलर करुप्पु में सूर्या को दो भिन्न और प्रभावशाली अवतारों में प्रस्तुत करता है। एक तरफ वह अदालत के भीतर अपनी बात को मजबूती से रखते हुए वकील की भूमिका में दिखते हैं, तो दूसरी तरफ वह सड़कों पर न्याय के लिए संघर्ष करते हुए नजर आते हैं। वह एक ऐसे मामले को अपने हाथों में लेते हैं जिसे वर्षों से अनदेखा किया जा रहा था। उनका किरदार कानूनी पेचीदगियों से जूझने के साथ-साथ शारीरिक टकरावों में भी शामिल होता है, जो फिल्म की गहनता और रोमांच को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि न्याय की लड़ाई सिर्फ कोर्टरूम तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके बाहर भी एक अलग तरह का संघर्ष जारी है। फिल्म की कहानी एक गंभीर पृष्ठभूमि के साथ शुरू होती है, जहाँ एक वृद्ध व्यक्ति और उसकी पोती न्याय की उम्मीद में बार-बार अदालत के चक्कर लगाते हैं, लेकिन उनके मामले को कभी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

तृषा कृष्णन भी एक वकील की सशक्त भूमिका में हैं, जो उनकी मदद करने की कोशिश करती हैं। हालांकि, उन्हें डिफेंस काउंसिल यानी आरजे बालाजी से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, जो अपने किरदार में पूरी तरह से खलनायक के रंग में रंगे हुए दिखते हैं। उनका टकराव फिल्म के ड्रामा को और बढ़ाता है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, सूर्या का किरदार करुप्पु इसमें प्रवेश करता है। वह इस अनदेखे मामले को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से दृढ़ और आश्वस्त दिखाई देता है। उसका संघर्ष केवल कानूनी प्रणाली तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि वह रास्ते में आने वाले हर अवरोधक से भिड़ने को तैयार रहता है। ट्रेलर में उसके कोर्ट में तीखी बहस और बाहर शारीरिक झड़पों की झलक साफ तौर पर दिखाई गई है।

'राजा शिवाजी का दूसरे संडे भौकाल, धुआंधार कमाए नोट, बनी तीसरी सबसे बड़ी मराठी फिल्म

रितेश देशमुख स्टारर और निर्देशित फिल्म 'राजा शिवाजी बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है. फिल्म ने रिलीज के पहले हफ्ते में तो शानदार कमाई की ही थी वहीं रिलीज के दूसरे वीकेंड पर भी इस मूवी को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और इसी के साथ इसने खूब नोट भी छापे हैं. चलिए यहां जानते हैं 'राजा शिवाजी ने रिलीज के दूसरे संडे यानी10वें दिन कितना कलेक्शन किया है? 'राजा शिवाजी बॉक्स ऑफिस पर छा गई है. इसकी शुरुआत और ओपनिंग वीकेंड काफी अच्छा रहा था लेकिन वीकडेज में इसके कलेक्शन में उतार-चढ़ाव देखा गया. हालांकि फिल्म को दूसरे वीकेंड का भरपूर फायदा मिला और नई रिलीज

फिल्मों से कंप्टीशन के बावजूद 'राजा शिवाजी ने दूसरे शनिवार के बाद दूसरे संडे को भी कमाई में उछाल दिखाया. अब भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म 70 करोड़ के आंकड़े के करीब पहुंच गई है और इसी के साथ ये जल्द ही अब तक की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मराठी फिल्म बन जाएगी. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो इस ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा ने रिलीज के पहले हफ्ते में 52.65 करोड़ का कलेक्शन किया था. इसके बाद 8वें दिन फिल्म ने 3.20 करोड़ कमाए और नौवें दिन का कलेक्शन 5.60 करोड़ रुपये रहा.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'राजा शिवाजी ने रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे संडे को 6.80 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'राजा शिवाजी की भारत में 10 दिनों की नेट कमाई अब 68.25 करोड़ रुपये हो गई है. 68.25 करोड़ के कलेक्शन के साथ, राजा शिवाजी फिलहाल भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अब तक की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मराठी फिल्म बन गई है. दूसरी पोजिशन हासिल करने के लिए, इसे बैपन भारी देवा (76.28 करोड़) को पीछे छोड़ना होगा. इसके लिए इसे 8 करोड़ के करीब और कमाने की जरूरत है जिसके बाद ये दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मराठी फिल्म बनने के लिए 8.99 करोड़ रुपये और कमाने होंगे. उम्मीद है कि दो-तीन दिन में फिल्म ये आंकड़ा पार कर लेगी. राजा शिवाजी, वेद के बाद रितेश देशमुख की दूसरी निर्देशित फिल्म है. इसमें संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, महेश मांजरेकर, जेनेलिया देशमुख, फरदीन खान, भाग्यश्री, सचिन खेडेकर, अमोल गुप्ते, बोमन ईरानी और जितेंद्र जोशी भी प्रमुख भूमिकाओं में है.

भूत बंगला ने दुनियाभर में 250 करोड़ का आंकड़ा किया पार

एयरलिफ्ट को पछाड़ बनी अक्षय कुमार की आठवीं सबसे ज्यादा कमाऊ फिल्म

निर्देशक प्रियदर्शन के साथ अक्षय कुमार का नया कोलैबोरेशन बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है. भूत बंगला ने सिनेमाघरों में अपने चौथे वीकेंड के दौरान भी अपनी रफ्तार बनाए रखी. इस फैंटेसी हॉरर-कॉमेडी फिल्म ने अपने चौथे वीकेंड के बाद दुनिया भर में 250 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. भूत बंगला अक्षय कुमार की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई है, जो लंबे समय से अपनी पुरानी लय पाने के लिए संघर्ष कर रहे थे. हाल ही में, इस फिल्म ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है और अब आने वाले दिनों में बॉलीवुड की कोई बड़ी फिल्म रिलीज न होने के चलते, इसका लक्ष्य 275 करोड़ तक पहुंच गया है. मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर एलान किया कि भूत बंगला ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. मेकर्स के मुताबिक, फिल्म दुनियाभर में 253.04 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, जिसमें से इसने भारत में 202.94 करोड़ रुपये और ओवरसीज पर 50.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन

किया है. 253.04 करोड़ रुपये के साथ, भूत बंगला अभी अक्षय कुमार की दुनिया भर में आठवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है. आईएमबीडी ने एयरलिफ्ट को पछाड़ते हुए यह स्थान हासिल किया है. सातवें नंबर पर आने के लिए इसे मिशन मंगल (290 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ना होगा. तो, सुपरस्टार की सातवीं सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फ़िल्म बनने के लिए, इसे अपनी कमाई में 36.96 करोड़ और जोड़ने होंगे, जो कि नामुमकिन लग रहा है. फिल्म निश्चित रूप से अपने पूरे रन में 275 करोड़ का आंकड़ा छूने का लक्ष्य रख रही है, लेकिन मिशन मंगल को पीछे छोड़ना इसकी पहुंच से बाहर है. अक्षय कुमार के अलावा, भूत बंगला में तब्बू, वामिका गब्बी, परेश रावल, जिशु सेनगुप्ता और राजपाल यादव भी अहम भूमिकाओं में हैं. इस फिल्म का निर्माण अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर. कपूर ने बालाजी टेलीफ़िल्म्स लिमिटेड और केप ऑफ़ गुड फिल्म्स के बैनर तले किया है.

मां बनना जिंदगी का सबसे सुंदर अनुभव : दीपिका सिंह

टीवी शो 'मंगल लक्ष्मी' में मंगल का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री दीपिका सिंह ने अपने बेटे सोहम को अपनी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा बताया और कहा कि मातृत्व ने उन्हें जीवन को नए नजरिए से समझना सिखाया है। दीपिका सिंह ने मदर्स डे को लेकर अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि मां बनना उनकी जिंदगी का सबसे सुंदर और बदलाव लाने वाला अनुभव रहा है। दीपिका सिंह ने कहा कि एक अभिनेत्री के तौर पर उन्होंने पर्दे पर कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन अपने बेटे सोहम की मां बनना उनके जीवन का सबसे खास और सबसे बड़ा किरदार है। उनके अनुसार मां बनना केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवनभर चलने वाला भावनात्मक सफर है, जो हर दिन इंसान को कुछ नया सिखाता है।

अभिनेत्री ने बताया कि उनके बेटे का मासूम और प्यारा स्वभाव उन्हें जिंदगी के छोटे-छोटे पलों की अहमियत का एहसास कराता है। उन्होंने कहा कि

कई बार व्यस्त जीवन में लोग छोटी खुशियों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन बच्चे हर पल को खास बना देते हैं। दीपिका ने कहा कि जब वह अपने शो में बच्चों के साथ शूटिंग करती हैं, तो उन्हें अक्सर ऐसा महसूस होता है जैसे वह अपने बेटे सोहम के साथ समय बिता रही हों। उन्होंने बताया कि वह अपने बेटे को यह समझाने की कोशिश करती हैं कि प्यार और देखभाल केवल मां तक सीमित नहीं होती। दादी, नानी, मौसी, चाची और शिक्षक जैसे रिश्ते भी बच्चों की जिंदगी में बेहद खास भूमिका निभाते हैं।

दीपिका के मुताबिक परिवार का हर सदस्य बच्चे को स्नेह और संस्कार देने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। दीपिका सिंह ने यह भी कहा कि वह चाहती हैं कि उनका बेटा उन्हें एक कामकाजी महिला और जिम्मेदार मां दोनों रूपों में देखे। उनके अनुसार जब बच्चे अपनी मां को मेहनत करते हुए देखते हैं, तो उन्हें यह समझ आता है कि सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष और समर्पण कितना जरूरी होता है। मदर्स डे के मौके पर दीपिका ने सभी माताओं और महिलाओं को सम्मान देते हुए कहा कि वह सिर्फ अपने मां होने का जश्न नहीं मना रहीं, बल्कि उन सभी महिलाओं की ताकत और समर्पण को सलाम करती हैं, जो प्यार और धैर्य के साथ अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाती हैं। उन्होंने कहा कि एक महिला की पहचान केवल मां होने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह जीवन में कई जिम्मेदारियां एक साथ निभाती है।

रातभर तेल लगाए रखना या नहाने से पहले बालों में तेल लगाना? जानिए सही तरीका

बालों की देखभाल के लिए तेल का उपयोग एक पुरानी परंपरा है, लेकिन इसके सही समय को लेकर कई धारणाएं हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रातभर बालों पर तेल लगाना चाहिए, जबकि कुछ लोग नहाने से पहले ही तेल लगाने के पक्ष में हैं। इस लेख में हम इस बात का पता लगाएंगे कि रातभर बालों पर तेल लगाना सही है या नहाने से पहले। साथ ही जानेंगे कि इन दोनों तरीकों के क्या फायदे और नुकसान हैं।

रातभर बालों पर तेल लगाने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे बालों को गहराई से पोषण मिलता है। जब आप रात को सोते हैं तो आपकी सिर की त्वचा का तापमान थोड़ा बढ़ जाता है, जिससे तेल बेहतर तरीके से सोख लिया जाता है। इसके अलावा रातभर तेल लगाने से बालों की नमी बनी रहती है और वे टूटने से बचते हैं। इस तरीके से बालों को मजबूती और चमक भी मिलती है। नहाने से पहले तेल लगाने का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि गर्म पानी के प्रभाव से बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। जब आप नहाने से पहले बालों पर तेल लगाते हैं तो यह एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है और बालों को टूटने और झड़ने

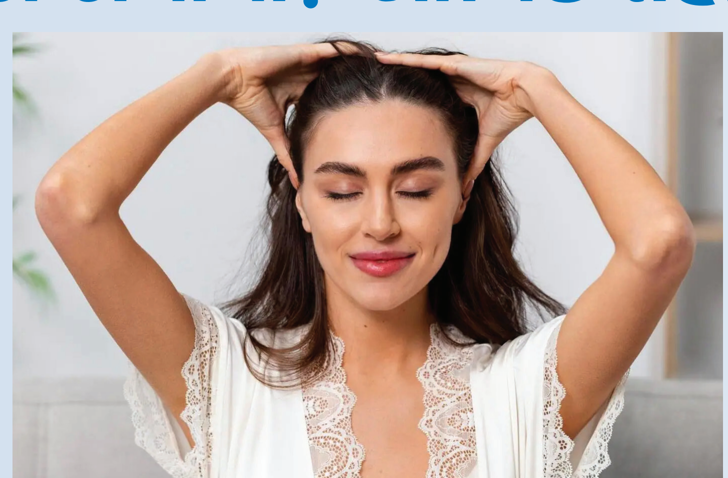

से बचाता है। इसके अलावा यह बालों को नमी प्रदान करता है और उन्हें मजबूत बनाता है। इससे बालों की चमक भी बढ़ती है। दोनों तरीकों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। रातभर तेल लगाने से बालों को गहराई से पोषण मिलता है, लेकिन यह कुछ लोगों को असुविधाजनक लग सकता है। वहीं, नहाने से पहले तेल लगाने से बालों को गर्म पानी के प्रभाव से बचाया जा सकता है, लेकिन यह तरीका उतना प्रभावी नहीं हो सकता। इसलिए, यह जरूरी है कि आप अपने बालों की जरूरतों को समझें और उसी अनुसार सही तरीका चुनें। सही तरीका चुनना पूरी तरह से आपकी व्यक्तिगत पसंद और बालों की जरूरतों पर निर्भर करता है। अगर आपके बाल सूखे और कमजोर हैं तो रातभर तेल लगाना बेहतर हो सकता है, क्योंकि इससे उन्हें गहराई से पोषण मिलता है। वहीं, अगर आप गर्म पानी से होने वाले नुकसान से बचना चाहते हैं तो नहाने से पहले तेल लगाना अच्छा विकल्प हो सकता है। यहां पर ध्यान रखने वाली बात यह है कि तेल को सही मात्रा में लगाना चाहिए। आखिरकार यह कहना गलत होगा कि इनमें से कोई एक तरीका सबसे अच्छा है। दोनों ही तरीकों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं, इसलिए आपको अपने बालों की स्थिति और जरूरतों के अनुसार सही विकल्प चुनना चाहिए। अगर आपके बाल सूखे और कमजोर हैं तो रातभर तेल लगाना बेहतर हो सकता है। वहीं, नहाने से पहले तेल लगाने से बालों को गर्म पानी के प्रभाव से बचाया जा सकता है।

Elite International Thailand to Debut VR Beauty Pageant in July

DB Reporter

Jaipur: The globally recognized Elite International Thailand beauty pageant is preparing for a landmark event as its grand finale is scheduled to take place in July in Pattaya City, Thailand. Organized under Nostos Creations, the international pageant is expected to redefine the glamour industry by becoming one of the first beauty competitions to integrate Virtual Reality (VR) technology into its presentation.Bollywood actress Isha Koppikar will attend the prestigious event as the celebrity guest, adding star power to the highly anticipated finale. According to Nostos Creations founder Devesh Panwar, the use of advanced VR elements such as head-mounted displays, motion-tracking sensors, immersive audio systems, and stereoscopic displays will create an entirely new viewing experience for audiences and participants alike.The pageant will also feature international fashion designers presenting their latest couture collections on the runway. Leading makeup artists are expected to showcase innovative beauty transformations through diverse runway looks. Acclaimed fashion choreographer Shie Lobo, known for working with Bollywood stars Shah Rukh Khan and Alia Bhatt, will train contestants for the show.

Organizers revealed that all participating models will receive professional portfolio shoots at scenic locations across Pattaya City.

Satish Dubey Reviews ECL Operations, Boosts Green Mining Push

DB Reporter

Sanctoria : Satish Chandra Dubey, Hon'ble Minister of State for Coal and Mines, Government of India, visited Eastern Coalfields Limited (ECL) on Tuesday to review the company's operational performance, sustainability initiatives, and future development plans.

The Union Minister was welcomed at ECL headquarters by Satish Jha along with Functional Directors and senior company officials. The visit focused on assessing key operational areas including coal production, dispatch systems, mine safety, technological advancement, and environmental sustainability measures undertaken by the company.

During the programme, Shri Dubey visited ECL's Kunustoria Area, where a ceremonial Guard of Honour was presented in his honour. Senior officials including Md. Anzar Alam, Gunjan Kumar Sinha, and Girish Gopinathan Nair were also present during the inspection and review meetings.

Addressing officials, the Minister stressed the importance of balancing increased coal production with environmental responsibility. He encouraged ECL to adopt modern and eco-conscious mining practices while strengthening safety standards and improving operational efficiency through technological innovation.

Shri Dubey appreciated ECL's performance during the financial year 2025–26 despite operational and external challenges. He particularly praised the company's initiatives in Underground Coal Gasification, scientific mine closure programmes, First Mile Connectivity (FMC) projects aimed at reducing air pollution, and the expansion of solar energy installations across mining areas.

Highlighting the growing global energy concerns amid tensions in West Asia, the Minister emphasized ECL's crucial role in ensuring India's energy security and maintaining stable coal supplies. He advised the company to strengthen stock verification systems to ensure transparency and accuracy in coal stock declarations.

Centre Ties Up With 3 States to Boost Drug Safety, Adverse Reaction Reporting

New Delhi, Agency: In a move aimed at strengthening medicine safety and improving monitoring of adverse drug reactions, the Indian Pharmacopoeia Commission (IPC) on Tuesday signed agreements with pharmacy councils of Bihar, Maharashtra and Mizoram to expand pharmacovigilance and promote rational use of medicines. The Memoranda of Understanding (MoUs), signed at IPC headquarters in Ghaziabad, seek to improve adverse drug reaction (ADR) reporting systems, expand ADR Monitoring Centres and increase awareness among pharmacists and healthcare professionals on safe and evidence-based use of medicines. Officials said the collaboration would strengthen the Pharmacovigilance Programme of India (PvPI), under which healthcare professionals and patients report side-effects and safety concerns linked to medicines.

12.4 lakh chemists to join May 20 shutdown, medicine supply may be hit

New Delhi, Agency: Patients across the country may face disruption in routine medicine purchases on May 20 as more than 12.4 lakh chemists prepare for a nationwide shutdown against online medicine sales and deep discounting by e-pharmacy platforms.

The All India Organisation of Chemists and Druggists (AIOCD) said the protest is aimed at highlighting risks to patient safety from unregulated online sale of medicines. The association alleged that medicines were being delivered without proper verification, enabling repeated use of prescriptions and easier access to antibiotics and habit-forming drugs. It warned that AI-generated fake prescriptions and uncontrolled medicine sales could fuel antimicrobial resistance (AMR).

Experts flag gaps in labour codes on industrial safety

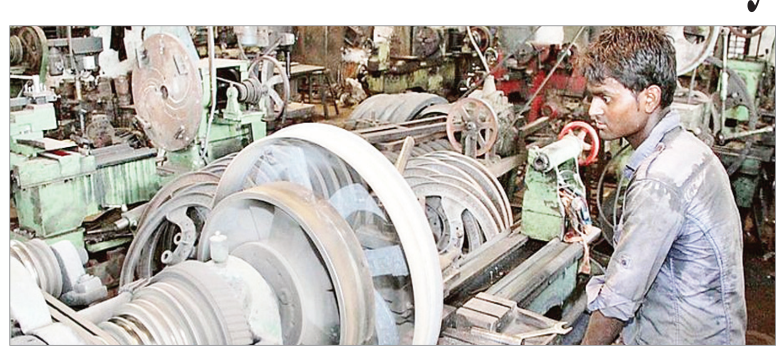

New Delhi, Agency: Industrial accidents claim the lives of more than 6,000 workers in India every year, averaging nearly three deaths daily. With the recent labour codes mandating safety committees at workplaces employing over 500 workers, the question remains whether the country will be able to improve industrial safety and worker representation.Talking to The Tribune, Sudip Dutta, president, Centre of Indian Trade Unions, claimed only 10 per cent of actual industrial accident deaths were reported in the country, while the real figure exceeded worker deaths annually.

With the government now codifying labour rules, the real question is implementation and compliance. The need of the hour is not better rules but solid execution. The Centre has coined the term 'inspector-cum-facilitators' in the codes, wherein a labour inspector has to seek permission from the labour department before taking any action. In a way, the codes have rendered the entire department non-functional," he said.

Dutta noted that instead of surprise inspections by government departments, the new codes provided that self-declaration by employers would suffice.

"The constitution of safety committees is a welcome step, but if the government puts a ceiling of 500-plus workers, nearly 76 per cent of factories will automatically move outside the purview of the labour codes.

A first in 145 yrs, St Stephen's gets woman principal

New Delhi, Agency: A pioneer in AI and deep tech research, Kerala's Susan Elias made history on Tuesday by becoming the first woman principal of India's leading institution - St Stephen's College, New Delhi, in its 145-year history. As another glass ceiling fell, Elias wore her credit lightly. "More than gender, I would rather have work speak for me," the 56-year-old told The Tribune in an exclusive interview today.

Rooted in Kerala but born and brought up in Chennai, Susan beat tough competition to the top role. Asked how it felt to be the first woman head of India's most-sought-after liberal arts and science college, she said, "I don't think the institution's Supreme Council was looking for a woman in particular. They were simply looking for someone with a strong research presence and I fit," said Susan, who graduated with BTech in Computer Science and Engineering from Madras University at a time when women barely looked at STEM disciplines.

'LoP is not rubber stamp': Rahul Gandhi writes to PM Modi, registers dissent with CBI chief selection process

New Delhi, Agency: Lok Sabha leader of opposition Rahul Gandhi on Tuesday recorded his dissent with the proceedings to pick the next director of the Central Bureau of Investigation (CBI), alleging that he was not provided with the self-appraisal reports of the candidates and that the government's choice was therefore "pre-decided."

As leader of opposition, Rahul Gandhi is on the three-member committee that appoints the CBI chief, alongside Prime Minister Narendra Modi and Chief Justice of India Surya Kant.

The Congress MP shared a screenshot of his dissent letter on his X handle. He accused the government of misusing CBI to target political opponents, journalists and critics, and highlighted that the inclusion of the leader of opposition in the selection committee was intended to prevent such "institutional capture."

"Despite repeated written requests, I was not provided with the self-appraisal reports or 360-degree reports of the eligible candidates. Instead, I was expected to examine the appraisal records of 69 candidates for the first time during the Committee meeting. A detailed review of these records is crucial to assess each candidate's history and performance. This deliberate denial of information makes a mockery of the selection process and ensures that only your pre-decided candidate is selected," Rahul wrote.

EAM's bilateral with Iran's Araghchi on Friday energy disruption & connectivity on agenda

New Delhi, Agency: External affairs minister S Jaishankar will host his Iranian counterpart Seyed Abbas Araghchi on Friday for bilateral talks, hoping to address some of India's concerns related to energy and connectivity. While the ministers have spoken on multiple occasions since the conflict in the West Asia region started on February 28, this will be their first in-person meeting since then. Araghchi is expected to land here Wednesday for the BRICS foreign ministers' meeting, but his bilateral with Jaishankar is expected to be the main component of his visit as far as India is concerned. Media had reported on May 10 that the Iranian foreign minister was likely to visit India for the BRICS meeting.

Araghchi has been seeking a more pro-active role by the BRICS, especially India as the current Chair, in addressing issues related to the conflict. In the meeting, Jaishankar is expected to raise India's concerns over disruption in energy supplies, including the stranded LPG tankers in the Strait of Hormuz, and also discuss issues related to the Chabahar port after the expiry of the US sanctions waiver for India's operations. MEA spokesperson Randhir Jaiswal said Tuesday India remains in touch with both Iran and the US over the issue and that the conflict remains a complicating factor. Jaishankar is also expected to have a bilateral meeting with Russian foreign minister Sergey Lavrov on Wednesday.

The government also announced Tuesday that Jaishankar will chair the BRICS foreign ministers' meeting on May 14-15. Amid an exchange of views on global and regional issues, India will look to bridge the gap between member-states over the conflict in the West Asia region, although consensus for a joint statement seems improbable at this stage. The ministers will also call on PM Narendra Modi on Thursday. The level of participation from the UAE, another country which is party to the conflict, is yet to be confirmed. China will be represented by ambassador Xu Feihong as foreign minister Wang Yi is preoccupied with the Trump-Xi summit this week. On the second day of the BRICS meeting, according to the Indian announcement, members and partner countries will participate in a session themed "BRICS@20: Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability".